



अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर

टाइम्स ऑफ पीडीया

संक्षिप्त समाचार

अमृतसर से लाए टाइगर पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए। इसके बाद उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कुणाल, सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक,



हथियार जुटाने और उन्हें शूटरों तक पहुंचाने में चारों का रोल था। इससे पहले पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों बिहार के ऋतिक और हरियाणा के रेहान और फूल सिंह को सोमवार को कोर्टा से गिरफ्तार किया था। अमृतसर से मुंबई तक हथियार सप्लाई की साजिश- जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुणाल जुलाई में सोनीपत जेल से बाहर आया था। इसके बाद एक दोस्त ने उसकी मुलाकात लॉरेंस गैंग के मंबर अनिल पंडित से कराई। दोनों एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए बातचीत करने लगे। पुलिस को शक है कि अनिल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क के लोगों को निर्देश दे रहा था।

इशाक डार के सामने राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर घेरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए।



आतंकियों को पैसा देने, उनका समर्थन करने और उन्हें पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी बैठक में मौजूद थे। राजनाथ ने कहा कि आतंकवाद से निर्दोष लोगों की जान जाती है। इससे निवेश और कारोबार प्रभावित होते हैं, समाज में कटरता बढ़ती है। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई करने की अपील की। राजनाथ ने अपने भाषण में पाकिस्तान या इशाक डार का नाम लेकर सीधे कोई आरोप नहीं लगाया। उन्होंने बिना नाम लिए चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। राजनाथ बोले- संप्रभुता का सम्मान करते हुए योजनाएं बनें- राजनाथ सिंह ने कहा कि देशों को जोड़ने वाली परियोजनाएं सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए बनाई जानी चाहिए।

मणिपुर में नहीं थम रहा है हिंसा का नया दौर

● अब कुकी व्यक्ति की गोली मारकर की गई हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांगपोकपी जिले में मंगलवार सुबह उग्रवादियों ने कुकी समुदाय के व्यक्ति पाओलेन खोंगसाई की गोली मारकर हत्या कर दी। वह पी मोल्डिंग गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ जंगल में बांस की कोपलें इकट्ठा करने गए थे तभी उग्रवादियों ने हमला किया। दूसरा व्यक्ति हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा। हत्या के विरोध में कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी ने जिले में आधी रात से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सोमवार को इसी जिले में उग्रवादियों ने सुनरोक क्षेत्र में जलावन की लकड़ी बीन रहे मैतेयी समुदाय के 14 लोगों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी।



इस बीच मैतेयी समुदाय के तीन लोगों की हत्या के विरोध में मंगलवार को 48 घंटे के बंद के चलते घाटी के पांच जिलों में जनजीवन प्रभावित रहा। इंफाल पूर्व, विष्णुपुर, थौबल और कार्काचिंग में बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी ठप रहा, हालांकि कुछ निजी वाहन चलते दिखे।

अब दिल्ली में भी बनेगा साबरमती जैसा रिवरफ्रंट यमुना किनारे 52 किमी लंबा कॉरिडोर होगा विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट बनाने वाली कंपनी अब दिल्ली में यमुना किनारे रिवरफ्रंट विकसित करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार इसकी जिम्मेदारी साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सौंपने की तैयारी कर रही है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के मुताबिक, कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन की फाइनल आगे बढ़ा दी गई है। परियोजना दो चरणों में पूरी होगी। पहला पल्ला से वजीराबाद और दूसरा वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक होगा। कैबिनेट मंत्री के अनुसार साबरमती नदी के किनारे रिवरफ्रंट डेवलप करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद नगर निगम ने उठाई थी। निगम ने इस के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हेकल बनाई और उसका नाम दिया साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

वेनेजुएला की ‘गंध’ कैसे होगी साफ, बताएगा भारत

● अंबानी की जामनगर रिफाइनरी से सीखेगा अमेरिका, रुबियो का दौरा शुरू



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बुधवार को गुजरात स्थित जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के दौर पर हैं। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मार्को रुबियो रिलायंस के साथ

वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्ससास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। खास बात यह है कि जामनगर रिफाइनरी भी

वेनेजुएला से आया हुआ कच्चा तेल भी साफ करती है, जो बेहद खराब कूड़ ऑयल माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्ससास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी।



अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

● शाह बोले-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की। शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की



कोलकाता के पंडाल में भगदड़ के बाद भारी सख्ती

दुर्गा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोलकाता और उसके आस-पास के तीन पुलिस कमिश्नरेट में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की निगरानी के लिए 18 आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि चोरबागान पंडाल में हुई भगदड़ (जिसमें 19 लोगों की जान चली गई थी) के बाद यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि इन 18 अधिकारियों में से 12 को कोलकाता में तैनात किया गया है, जबकि बाकी छह अधिकारी हावड़ा, बैरकपुर और चंदननगर कमिश्नरेट में विसर्जन

प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने कहा, ये आईपीएस अधिकारी बुधवार से 24 अक्टूबर तक विसर्जन गतिविधियों की निगरानी करेंगे। सभी अधिकारियों के लिए अलग-अलग इयूटी शेड्यूल तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोलकाता पुलिस क्षेत्र में, आईपीएस अधिकारी गौरव शर्मा, सोमा दास

● बंगाल सरकार की बड़ी तैयारी, बढ़ाया गया सुरक्षा साया

मित्रा, राशिद मुनीर खान, आकाश शी) के बाद यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि इन 18 अधिकारियों में से 12 को कोलकाता में तैनात किया गया है, जबकि बाकी छह अधिकारी हावड़ा, बैरकपुर और चंदननगर कमिश्नरेट में विसर्जन

जुमे की बजाय अब रविवार को रहेगा अवकाश

● उत्तराखंड में मदरसों के लिए बन गया नया नियम

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मदरसों को अब शुक्रवार की जगह रविवार को सामाहिक अवकाश रहेगा। शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले स्कूलों की तरह मदरसों को अब जुमे की बजाय रविवार को बंद रखा जाएगा। शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों पर ये नियम लागू रहेगा। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से कहा गया है कि शिक्षा



विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना होगा। इसी क्रम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित सामाहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। उन मदरसों को भी ये नियम फॉलो करना होगा जो शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण का कहना है कि इसका उद्देश्य मदरसा शिक्षा को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप लाते हुए विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है। प्रदेश में 76 मदरसों को शिक्षा विभाग से मान्यता मिल चुकी है। इसमें हरिद्वार के 270 में से 44, ऊधमसिंह नगर के 119 में से 24, देहरादून के 41 में से छह, नैनीताल के 18 में से दो मदरसों को शिक्षा विभाग की ओर से मान्यता दी जा चुकी है।

ईपिक नंबर वही, मतदाताओं के बदले गए नाम, बड़ा आरोप

● यूपी की वोटर लिस्ट में हेरफेर का गंभीर आरोप
● कांग्रेस ने एसआईआर पर चुनाव आयोग को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले कुछ महीनों में चुनाव आयोग से जरूरी कदम विधानसभा चुनाव होने हैं और उठाने की मांग की। कांग्रेस की इस



उससे पहले नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे को यूपी कांग्रेस के नेताओं ने उठा लिया है। प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी, ईपीआई नंबरों के समान रहते हुए नाम बदलने और 'वोट चोरी' का गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, सांसद इमरान मसूद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मौजूद थे।

मॉडल श्रद्धा दुबे के बाद अब करीबी दोस्त हुआ गिरफ्तार

● आमिर शेख ने नेपाल बॉर्डर तक पहुंचाने में की थी मदद!

लखनऊ (एजेंसी)। शिवा शर्मा हत्याकांड में लखनऊ पुलिस की नाकामी के बाद यूपी एसटीएफ की टीम पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ चुकी है। बीते मंगलवार को नागपुर से एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे, रश्मि और झांझर दानिश को गिरफ्तार किया। अब श्रद्धा के मददगारों की तलाश की जा रही है। यूपी एसटीएफ ने श्रद्धा दुबे के पुराने दोस्त आमिर शेख को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार,



आमिर शेख ने 9 अक्टूबर को वारदात के बाद श्रद्धा दुबे के फरार होने और नेपाल बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आमिर ने श्रद्धा दुबे के लिए एक फर्जी आईडी का इस्तेमाल करके सिम कार्ड भी खरीदा था। इससे पुलिस की सर्विलांस टीम से बचने में श्रद्धा कामयाब हुई। बताया जाता है कि शिवा शर्मा की मौत के समय भी आमिर घटनास्थल के आसपास मौजूद था।

बिहार एमएलसी चुनाव में पटना बनी हॉट सीट

दिग्गजों की अग्निपरीक्षा, दांव पर निशांत-सम्राट-तेजस्वी-पीके की प्रतिष्ठा



पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे एमएलसी चुनाव में विशेषकर पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का इलेक्शन कई लोगों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। वैसे तो सामूहिक रूप से प्रतिष्ठ सत्ता पक्ष से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेज

प्रताप की तो बनती ही है। मगर, पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर विशेष प्रतिष्ठा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ मंत्री निशांत और जनसुराज के नायक प्रशांत किशोर की जुड़ गई है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव की भी प्रतिष्ठा दांव पर- इस एमएलसी चुनाव में पटना स्नातक और पटना शिक्षक क्षेत्र की महत्ता इस बात से समझ सकते हैं कि इस चुनावी जंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी उतर गए हैं। अपरोक्ष रूप से तो वे अन्य उम्मीदवारों के लिए वोट मांग ही रहे हैं, मगर पटना स्नातक और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए खुलकर सामने आकर बैटिंग करने लगे हैं। राजद सूत्री की माने तो घर से बैठे-बैठे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पटना, नालंदा और नवादा जिले के सीनियर नेताओं को फोन कर स्नातक से दिलीप पटेल को शिक्षक क्षेत्र से और डॉ सजीव कुमार को वोट करने की अपील कर रहे हैं।

संपादकीय

संपादकीय

सड़क पर सावधानी से ही टलेंगे हादसे

सड़क खाली थी। ट्रैफिक सामान्य था। फोन स्क्रीन पर सिर्फ एक नोटिफिकेशन चमका। झ़इवर ने सोचा बस एक सेकेंड में देख लेता हूं। उसका अंगुठा स्क्रीन तक पहुंचा। पलभर को नजर सामने से हटी। ठीक उसी समय सामने चल रही गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। ब्रेक पेडल दबाने और उससे पहले जरूरी फैसला लेने के बीच जो कुछ सेकेंड का फासला रहा, बस उन्हीं पलों में नरेश की जिंदगी की दिशा बदल गई। एक घंटे बाद जब उसे होश आया, वह ट्रॉमा सेंटर में था।

सड़क हादसे अकसर किसी बहुत बड़ी गलती से नहीं होते, कई बार इनकी वजह बस एक सेकेंड को सामने से ध्यान हटना भर होता है। कभी बज रहे मोबाइल फोन को उठाने की वजह से, कभी मैसेज पढ़ने के लालच से या कभी नोटिफिकेशन देखने की उत्सुकता के चलते, बड़ा से बड़ा एक्सीडेंट हो जाता है। असली समस्या उस क्षण हमारा ध्यान सड़क से हट जाना है। वाहन चलाते समय मोबाइल की तरफ ध्यान देनेभर की कोशिश कई बार जानलेवा होती है। हालांकि भारत में आज कितने ट्रॉमा सेंटर हैं, उसकी

कोई राष्ट्रीय सूची उपलब्ध नहीं है। लेकिन जहां तक नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा एंड बर्न इंजरीज के तहत दिसंबर 2024 में 163 ट्रॉमा सेंटर चल रहे थे, जबकि 2026 के अंत तक इन्हें बढ़ाकर 196 किये जाने का लक्ष्य है।

ट्रॉमा सेंटर कोई अलग अस्पताल नहीं होता, इसकी स्थापना के पीछे मूल अवधारणा ‘घायल व्यक्ति को शुरुआत से लेकर ऑपरेशन, विशेषज्ञ उपचार और रिहैबिलिटेशन’ तक एक संगठित और लगातार चलने

वाली ट्रॉमा केयर उपलब्ध कराना है। साल 2019-20 में हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 97.9 लाख लोगों का ट्रॉमा रजिस्ट्रेशन हुआ था। हालांकि यह सभी ट्रॉमा सेंटरों के मरीज नहीं बल्कि रिपोर्ट किये गये मामले थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हर साल कितने बड़े पैमाने पर दुर्घटनाओं के शिकार लोग ट्रॉमा सेंटर पहुंचते हैं।

ट्रॉमा का मतलब केवल सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करानाभर नहीं है।

बल्कि कार्यस्थलों में होने वाली दुर्घटनाओं, आग के शिकार लोगों तथा हिंसा आदि में शिकार लोगों को तुरंत इलाज उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो देश में हर साल 10 फीसदी से ज्यादा मौतें लोगों के दुर्घटनाओं के शिकार होने से होती हैं। इनमें सबसे ज्यादा होने वाली सड़क दुर्घटनाएं हैं। सिर्फ फोन उठाना ही नहीं, गाड़ी चलाते समय अचानक झपकी आ जाना, अचानक आगे चल रही गाड़ी रुक जाना या गलत दिशा में मुड़ जाना आदि सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण होते हैं।

सौ करोड़ से अधिक लोगों तक सामाजिक सुरक्षा फिर भी करोड़ों श्रमिकों के लिए कवच अधूरा

‘गिंग और प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था’ ने रोजगार के नए अवसर जरूर पैदा किए हैं, लेकिन यहां भी स्थायी आय, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना सुरक्षा और पेंशन का ढांचा अभी कमजोर है। ठेका और आउटसोर्सिंग की बढ़ती प्रवृत्ति ने नौकरी की स्थिरता को और प्रभावित किया है। भारत सामाजिक सुरक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का करीब पांच फीसद खर्च करता है, जबकि वैश्विक औसत इससे कहीं अधिक है। सीमित सार्वजनिक व्यय का असर योजनाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों पर पड़ता है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा के बीच वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक निर्भरता भी बढ़ रही है। डिजिटल विभाजन, दस्तावेजी जटिलता और विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण ई-श्रम जैसे पोर्टल के बावजूद अनेक पात्र लोग योजनाओं से पूरी तरह नहीं जुड़ पा रहे हैं। इस परिदृश्य में संगठित क्षेत्र के लिए कर्मचारी मविष्य निधि संगठन की वेतन सीमा बढ़ाना महत्वपूर्ण कदम है। 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए किए जाने से बड़ी संख्या में नए कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आएंगे।

.....सितंबर 2014 के बाद यह सीमा में पहला बड़ा संशोधन है। दरअसल, कई राज्यों में कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन पहले ही 15,000 रुपए से ऊपर पहुंच चुका था।

(जयंतीलाल भंडारी)

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़कर सौ करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है और उन्हें किसी न किसी रूप में इसका लाभ मिल रहा है, लेकिन आम आदमी और असंगठित क्षेत्र के विशाल श्रमबल के लिए यह कवच अभी पर्याप्त मजबूत नहीं है। सामाजिक सुरक्षा का अर्थ केवल किसी योजना में पंजीकरण नहीं, बल्कि बीमारी, बेरोजगारी, वृद्धावस्था, दुर्घटना और आय में अचानक आई कमी के समय सम्मानजनक जीवन की गारंटी भी है। इस कसौटी पर भारत को अभी लंबी दूरी तय करनी है।

देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद का करीब 1.9 फीसद है। नतीजतन, गंभीर बीमारी का इलाज परिवारों की बचत पर भारी पड़ता है और कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता है। वृद्धावस्था और विधवा पेंशन जैसी नकद सहायता की राशि भी बढ़ती महंगाई के मुकाबले अपर्याप्त है। दूसरी ओर, श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र में है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2025 के मुताबिक, देश में करीब 61.6 करोड़ का श्रमबल है, जिसमें लगभग 87 फीसद हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। दैनिक वेतनभोगी, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले और छोटे कारोबार से जुड़े लोगों के सामने रोजगार की अनिश्चितता के साथ पेंशन, भविष्य निधि और बीमा जैसी दीर्घकालिक सुरक्षा का अभाव है।55

‘गिंग और प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था’ ने रोजगार के नए अवसर जरूर पैदा किए हैं, लेकिन यहां भी स्थायी आय, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना सुरक्षा और पेंशन का ढांचा अभी कमजोर है। ठेका और आउटसोर्सिंग की बढ़ती प्रवृत्ति ने नौकरी की स्थिरता को और प्रभावित किया है। भारत सामाजिक सुरक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का करीब पांच फीसद खर्च करता है, जबकि वैश्विक औसत इससे कहीं अधिक है। सीमित सार्वजनिक व्यय का असर योजनाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों पर पड़ता है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा के बीच वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक निर्भरता भी बढ़ रही है। डिजिटल विभाजन, दस्तावेजी जटिलता और विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण ई-श्रम जैसे पोर्टल के बावजूद अनेक पात्र लोग योजनाओं से पूरी तरह नहीं जुड़ पा रहे हैं। इस परिदृश्य में संगठित क्षेत्र के लिए

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की वेतन सीमा बढ़ाना महत्वपूर्ण कदम है। 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपए किए जाने से बड़ी संख्या में नए कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आएंगे। सितंबर 2014 के बाद यह सीमा में पहला बड़ा संशोधन है। दरअसल, कई राज्यों में कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन पहले ही 15,000 रुपए से ऊपर पहुंच चुका था। ऐसे में पुरानी सीमा के



कारण अनेक कर्मचारी औपचारिक सामाजिक सुरक्षा से बाहर रह जाते थे।

नई सीमा से करीब 5.1 लाख नए कर्मचारियों के अनिवार्य ईपीएफओ के दायरे में आने की उम्मीद है। इसका लाभ केवल भविष्य निधि में बचत तक सीमित नहीं है। कर्मचारी का अंशदान, नियोक्ता का योगदान और पेंशन तथा बीमा से जुड़े प्रावधान मिलकर एक व्यापक सुरक्षा तंत्र बनाते हैं। ईपीएफ में नियमित योगदान से सेवानिवृत्ति के लिए चक्रवृद्धि व्याज वाला कोष तैयार होता है। कर्मचारी पेंशन योजना के तहत मिलने वाला लाभ वृद्धावस्था में आय का आधार बन सकता है, जबकि कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना परिवार को कर्मचारी की असामयिक मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहाय देती है।

हालांकि, इस बदलाव के कुछ तात्कालिक असर भी हैं। पंद्रह हजार से पच्चीस हजार रुपए के वेतन वर्ग में आने वाले कर्मचारियों की हाथ में मिलने वाली आय पीएफ कटौती बढ़ने से कुछ कम हो सकती है। दूसरी ओर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा कपड़ा, खुदरा और लॉजिस्टिक्स जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर नियोक्ताओं का खर्च बढ़ेगा। सरकार पर भी पेंशन संबंधी दायित्व बढ़ सकते हैं। फिर भी श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत होने और

मिले। संयुक्त सेवा केंद्र और पंचायतों के जरिए आसान पंजीकरण की व्यवस्था होनी चाहिए। स्थानीय भाषाओं में प्रचार, श्रव्य-दृश्य सामग्री और जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे। कागजी कार्रवाई न्यूनतम कर सीधे लाभ अंतरण को प्रभावी बनाना होगा। प्रवासी श्रमिकों के लिए ऐसी सामाजिक सुरक्षा जरूरी है, जो राज्य बदलने पर भी बाधित न हो। यह भी जरूरी है कि सामाजिक सुरक्षा नीतियों में महिलाओं, वृद्धों, दिव्यांगों और मौसमी श्रमिकों की अलग जरूरतों को समझा जाए। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ, सुरक्षित कार्यस्थल और आय सुरक्षा के प्रावधान मजबूत हों। निर्माण श्रमिकों के कल्याण कोषों का उपयोग पारदर्शी बनाया जाए और पंजीकरण तथा लाभ लेने की प्रक्रिया सरल हो। छोटे शहरों और गांवों में बैंकिंग, इंटरनेट और पहिचान संबंधी अड़चनों को दूर किए बिना डिजिटल व्यवस्था पूरी तरह कारगर नहीं हो सकती। सामाजिक सुरक्षा के आंकड़ों का नियमित सामाजिक अंकेक्षण भी होना चाहिए, ताकि यह पता चले कि योजनाओं का लाभ वास्तव में किस् वर्ग तक पहुंच रहा है और कौन अब भी छूट गया है। यही असली परीक्षा है।

असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा का लचीला स्वरूप बनाना समय की जरूरत है। नीति आयोग ने भी गिंग अर्थव्यवस्था के विस्तार के बीच सामाजिक सुरक्षा के नए ढांचे की आवश्यकता रेखांकित की है। अगस्त 2021 में शुरू ई-श्रम पोर्टल पर अगस्त 2026 तक 31.89 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं। अब प्राथमिकता पंजीकरण से आगे बढ़कर वास्तविक लाभ पहुंचाने की होनी चाहिए।

विकसित भारत का लक्ष्य केवल ऊंची जीडीपी या बड़े निवेश से हासिल नहीं होगा। उसकी असली कसौटी यह होगी कि बीमारी, दुर्घटना, बेरोजगारी और वृद्धावस्था जैसी परिस्थितियों में कोई नागरिक आर्थिक असुरक्षा के कारण सम्मानजनक जीवन से वंचित न हो। इसलिए संगठित क्षेत्र के सुधारों के साथ असंगठित और गिंग श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। निजी क्षेत्र की पेंशन योजनाओं को आकर्षक बनाना, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाना और सामाजिक पेंशन को महंगाई से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा खर्च को बोझ नहीं, उत्पादक निवेश मानना होगा। तभी विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

अपनेपन से संजोए रिश्ते ही हैं खुशहाल परिवार की बुनियाद

हमारे देश में रिश्तों का एक विशेष सांस्कृतिक मूल्य है। यहां परिवार और समुदाय को व्यक्तिगत जीवन से अधिक महत्व दिया जाता है। ‘मैं’ से अधिक ‘हम’ की भावना समाज को जोड़कर रखती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान, पारिवारिक संबंधों की मर्यादा और पड़ोसियों से अपनापन सामाजिक ताने-बाने को मजबूत बनाए रखते हैं। आधुनिक जीवनशैली, व्यस्तता और व्यक्तिगत स्वार्थ ने रिश्तों को अक्सर पीछे धकेल दिया है। आज बहुत से लोग अपने कैरियर, आर्थिक प्रगति और व्यक्तिगत लक्ष्यों में इतने व्यस्त हैं कि परिवार और दोस्तों के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। इससे धीरे-धीरे संवाद की कमी, गलतफहमियां और भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है। जब मनुष्य जन्म लेता है, तब से ही वह रिश्तों के जाल में प्रवेश कर जाता है। मां-बाप, भाई-बहन, गुरु, मित्र, पड़ोसी, सहकर्मी आदि। इन सभी से उसका व्यवहार और जुड़ाव उसकी सामाजिक स्थिति को तय

करता है। यदि व्यक्ति अपने रिश्तों को महत्व नहीं देता, तो धीरे-धीरे वह अकेला पड़ने लगता है। समाज में उसकी कोई भावनात्मक स्वीकार्यता नहीं रह जाती। इसलिए कहा गया है कि सामाजिक जीवन की नींव आपसी संबंधों पर टिकी होती है, जिनसे समाज में

असंतुलन की उपज है। अतः समाज को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने रिश्तों के प्रति सजग रहे और उन्हें निभाने की जिम्मेदारी समझे। रिश्ते केवल जन्म से नहीं बनते, उन्हें बनाए रखने के लिए परस्पर समझ, संवेदना



सामंजस्य और सह-अस्तित्व की भावना बनी रहती है। रिश्तों को नजरअंदाज करने का परिणाम केवल व्यक्तिगत नहीं रहता, बल्कि यह पूरे समाज पर असर डालता है। जैसे-जैसे पारिवारिक मूल्य कमजोर होते हैं, समाज में असंवेदनशीलता, तनाव और एकाकीपन बढ़ता है। बुजुर्गों की उपेक्षा, तलाक या पारिवारिक विवाद जैसी समस्याएं इसी

और संवाद की आवश्यकता होती है। रिश्तों को निभाने की कला में तीन मुख्य तत्व होते हैं। पहला है संवाद जो सच्चे रिश्ते खुले और ईमानदार संवाद पर टिके होते हैं। बात न करने या मनमुटाव को दबाने से दूरियां बढ़ती हैं। दूसरा है संवेदनशीलता जिसमें दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने से रिश्ते गहरे होते हैं। छोटी-छोटी तकलीफों को समझना और समय पर सहानुभूति दिखाना रिश्तों की

मजबूती का चिन्ह है। तीसरा है ‘विश्वास और त्याग’ यानी हर संबंध में थोड़ा-बहुत त्याग और विश्वास जरूरी होता है। स्वार्थ से ऊपर उठकर जब व्यक्ति दूसरों की भलाई सोचता है, तभी उसका रिश्ता दीर्घकाल तक स्वस्थ बना रहता है।

समाज में व्यक्ति की स्वीकृति उसके व्यवहार से निर्धारित होती है। जो व्यक्ति दूसरों की परवाह नहीं करता, केवल स्वयं के हित के लिए जीता है, वह सामाजिक दृष्टि से ‘अलग-थलग’ पड़ जाता है। समाज ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करता जो केवल लाभ और स्वार्थ के आधार पर संबंध बनाएं। समाज में बने रहने का अर्थ है कि व्यक्ति दूसरों के साथ भावनात्मक और नैतिक रूप

से जुड़ा रहे। यह जुड़ाव केवल औपचारिक न होकर वास्तविक होना चाहिए। दूसरों के सुख-दुख में सहभागी होना, सझा जिम्मेदारियों को निभाना और परस्पर सम्मान रखना सामाजिकता की असली पहचान है। जब हम रिश्तों को महत्व देते हैं, तो उनसे केवल प्रेम नहीं, बल्कि एक नैतिक शक्ति भी प्राप्त होती है, जो हमें अपने और समाज दोनों से जोड़कर रखती है। रिश्ते मनुष्य के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आधारशिला की तरह होते हैं। एक प्रेमपूर्ण परिवार और अच्छे मित्र तनाव को कम करते हैं, मनोबल बढ़ाते हैं और व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों से जूझने की शक्ति प्रदान करते हैं। यही कारण है कि जिन लोगों के सामाजिक संबंध अच्छे होते हैं, वे अधिक संतुलित, खुश और आत्मविश्वासी होते हैं। दूसरी ओर, जो लोग रिश्ते निभाने में असफल होते हैं, वे धीरे-धीरे समाज से कटने लगते हैं। यह मानसिक एकाकीपन उन्हें भीतर से कमजोर बना देता है। इसलिए रिश्तों को निभाना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मिक आवश्यकता भी है।

‘रिश्तों को तवज्जो दीजिए, तभी आप समाज में बने रहेंगे’ यह कथन यथार्थ जीवन का सार है। यह हमें याद दिलाता है कि व्यक्ति की पहचान केवल स्वयं से नहीं, बल्कि उसके संबंधों से बनती है। रिश्तों को सम्मान देने का अर्थ है प्रेम, सहयोग, और समझ का वातावरण बनाना। जब हर व्यक्ति इस जिम्मेदारी को समझेगा, तो परिवार मजबूत होगा, समाज में सद्भाव बढ़ेगा और मनुष्यत्व सुरक्षित रहेगा।

सार समाचार

**विजयादशमी पर दिल्ली,
बंगाल, त्रिपुरा में महिलाओं
ने सिंदूर खेला रस्म मनाई**

फेदिल्ली। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में महिलाओं ने बुधवार को विजयादशमी के अवसर पर पारंपरिक सिंदूर खेला रसम मनाई। यह रसम दुर्गा पूजा के समानान्त गती प्रतीक है। महिलाओं ने एक-दूसरे के माथे और गालों पर सिंदूर लगाया और देवी काशी की पूजा-अर्चना की, साथ ही सभी के लिए उबका आशीर्वाद और सुखसा मंगी। दिल्ली में आसामबाग पूजा समिति के पंडाल में सिंदूर खेला बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। थिचरजिन पार्क में भी महिलाओं ने इस रसम में हिस्सा लिया। यह जगह अपनी शानदार दुर्गा पूजा के लिए जानी जाती है। दिल्ली में इस उद्देश्य में शामिल एक महिला ने कहा कि हम सभी यहां रहने वाले बंगाली प्रवासी हैं और हम एक परिवार की तरह मिलकर मां दुर्गा की पूजा करते हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में महिलाओं ने विजयादशमी के दिन मुद्रायी लखब में सिंदूर खेला मनाया। बोरखूम जिले में भी ऐसा ही उत्सव मनाया गया, जहां महिलाओं ने एक-दूसरे के गालों पर सिंदूर लगाया और अपने परिवारों तथा अपने की भलाई और सुखसा के लिए प्रार्थना की। दक्षिण त्रिपुरा में दुर्गा पूजा पंडालों में महिलाओं ने सिंदूर खेला में हिस्सा लिया, जबकि मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन की तैयारियां चल रही थीं। पुजारी ने विसर्जन की रस्में पूरी की और पारंपरिक डाक डाले रस्म के तहत महिलाएं देवी के पवित्र कलश को पुजारी के घर तक ले गईं। सिंदूर खेला जिसका अर्थ है सिंदूर से खेलना, बंगाली हिंदू समुदाय में दुर्गा पूजा से जुड़ी सबसे प्रिय रस्मों में से एक है। यह उत्सव के आखिरी दिन, विजयादशमी को मनाया जाता है, जब भक्त मां दुर्गा को विदाई देते हैं। इस रस्म की शुरुआत में महिलाएं देवी सिंदूर आपर्ण करती हैं, उनके माथे और चरणों पर सिंदूर लगाती हैं और विदाई की प्रार्थनाओं में शामिल होती हैं। इसके बाद, वे सिंदूर खेले के माथे और गालों पर सिंदूर लगाती हैं, मिठाइयां बांटी हैं और एक-दूसरे को सुख, समृद्धि और सुशहाली की शुभकामनाएं देती हैं। पारंपरिक रूप से यह रसम विवाहात बंगाली हिंदू महिलाओं से जुड़ी है और इसका गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। हालांकि, अलग-अलग समुदायों में इसमें शामिल होने के अत्यधिक अलग-अलग हो सकते हैं, और कुछ आयाजक इसे और भी अधिक समानश्री बनाते हैं। यह रस्म इस मन्यता पर धारणा है कि दुर्गा पूजा के दौरान मां दुर्गा अपने मायके आती हैं और फिर वापस लौटती हैं। पुरुषों पर अपने पति भगवान शिव के पास लौट जाते हैं। देवी का स्वागत एक बेटी की तरह किया जाता है और उन्हें बहुत स्नेह के साथ विदा किया जाता है, जो इस त्योहार पर, सिंदूर खेला प्रथाओं को दर्शाता है। इस प्रकार, सिंदूर खेला में भक्ति, सांस्कृतिक परंपराएं और एकजुटता की भावना का संगम देवसेन को मिलता है, जो दुर्गा पूजा के समान को एक भावपूर्ण रूप देता है। विजयादशमी के साथ ही बिजोया की शुभकामनाओं का दौर भी शुरू हो जाता है, जिसमें लोग एक-दूसरे को आशीर्वाद देते हैं और आने वाले वर्ष में सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थनाएं मंगाने हैं।

**उधमपुर हादसा : उपराज्यपाल
मनोज सिन्हा ने घायलों के
जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की**

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उधमपुर में हुए हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। एलजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक पर पोस्ट करी है। हुए लिखा कि उधमपुर के रामनगर में एक दुर्घट से हादसे में लोगों की मौत की खबर से आहत हूँ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। मैंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करें और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करें। उधमपुर जिले में बुधवार सुबह एक हादसे से 3 शिकार हो जाई। इस घटना में करीब 10 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए रामनगर के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया है। उधमपुर के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भी उधमपुर के जिले अर्थात् द्विवेदी से बात की और पीड़ितों को हर संभव मदद मुहैया कराने को कहा है। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक पर लिखा, बसंतगढ़-रामनगर सड़क पर बस दुर्घटना की खबर मिलने के बाद मैंने उधमपुर के जिले अर्थात् द्विवेदी से बात की। स्थानीय लोगों को सही पर मदद देने से सभी यात्रियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। इस बीच, बचाव दल मीके पर पहुंच गया। 310 घायल यात्रियों को रामनगर के उप-जिला अस्पताल ले जाया जा रहा है। अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है। हर संभव मदद की जा रही है। मेरा कार्यालय प्रशासन के लगातार संघर्ष में है। उन्होंने दूसरे पोस्ट में लिखा कि दुर्भाग्य से दो लोगों की मौत की खबर मिली। 10 घायल एसीएन रामनगर पहुंच चुके हैं। इनमें से 3 लोगों को जीएमसी उधमपुर लया गया है। इस बीच, मैंने दिल्ली में बीआरओ अधिकारियों के साथ रामनगर से बसंतगढ़ तक सड़क निर्माण का मुद्दा उठाया है।

दिल्ली में मछुआरा समुदाय का हल्ला बोल, एससी आरक्षण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

नव दिल्ली। राजधानी दिल्ली के तालकटोरा अनुसूचियम में बुधवार को मछुआरा समुदाय के लोगों ने अन्नसुविधि जाति (एससी) आरक्षण की मांग को लेकर विधायक-प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सरकार के केबिनेट में मंत्री और निजाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कश्पूर, कहार, केरत, मल्लाह, मलौत और तुरैहा समाज के लोग एकत्र हुए। हाथों में हलतुरेहा हैं और अनुसुचित जाति के एकदर हैं और मछुआ एससी आरक्षण हमारा हक हैहलिलिखी तस्वियत काज समुदाय ने सरकार से अपने सहैधानिक हक को जल्द लागू करने की मांग की। इस दौरान यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने कहा कि हमने पुरखो ने देश को आजाद कराया और सिवियन बनाया, हसुलएल नैदुन ससी लोगो का सिवियन में हक बनता है। उन्होंने कहा कि समुदाय की एक ही मांग है कि जिसका हक सिवियन में स्पष्ट रूप से लिख दिया जाए, इनका तरह उत्तराखण्ड में शिल्पकार को जाति नही बालिक जातियों का समूह माना गया है, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी केरत, मल्लाह, मझुआर को जातियों के समूह के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। मंत्री संजय निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वचनवाद देते हुए कहा कि सबने इस समाज को बहुत था लेकिन मोदी-जोति ने अपने मछुआ समाज में निषादों को अनुसुचित जाति का आरक्षण देने का वादा किया था।

एफटीए से भारत के निर्यातकों के लिए खुल रहे बड़े अवसर,
उत्पादों को मिल रही वैश्विक पहचान: पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, एजेंसी।

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीपुसु गोयल ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा किए गए विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) देश के निर्यातकों के लिए बड़े अवसरों के द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य दश सुनिश्चित करना है कि इन समझौतों का लाभ किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं, एमएसएमई और छोटे कारोबारियों के पट्टे में, ताकि वे अधिक से अधिक मुद्रा इन इंडिया उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचा सकें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि इन अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद के लिए वाणिज्य विभाग राज्य सरकारों के सहयोग से विशेष एफटीए जागरूकता कार्यक्रमों और आउटरीच कार्यक्रम का आयोजित कर रहा है। उन्होंने गोयल के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा राज्य में आयोजित ऐसे ही कार्यक्रमों में भाग लेने और स्थानीय उद्योगों को नए निर्यात



बाजारों की संभावनाएँ तलाशने के लिए प्रेरित करने की सराहना की। गोयल ने कहा, देशभर में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर राज्य अपनी विशिष्ट निर्यात क्षमता को पहचान सके, हमारे एफटीए का बेहतर उपयोग हो और भारत के निर्यात

को नई गति मिले। उन्होंने कहा कि भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता मंगलवार से लागू हो चुका है और इसके तहत भारतीय निर्यात को 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त (ड्यूटी-फ्री) पहुंच मिली है। यह समझौता एमएसएमई, किसानों, महिलाओं, युवाओं

और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा करेगा। साथ ही भारतीय पेशेवरों के लिए नए रास्ते खोलेगा और भारत के मूल हितों की भी रक्षा करेगा। गोयल ने कहा कि भारतीय किसानों को फल, सब्जियां, मसाले और अन्य कृषि उत्पादों

खड़गे बोले- महिला आरक्षण लागू करें, परिसीमन का इंतजार क्यों



रिजिजु के जरिए पीएम विपक्ष को जवाब देते हैं, ज्ञानेश कुमार की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे हैं

»

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बुधवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में महिला आरक्षण, परिसीमन और चुनाव सुधारों पर सरकार के रवैये पर सवाल उठाए। खडगे ने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा- सरकार लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिलाओं को 33% आरक्षण अभी लागू कर सकती है। इसके लिए परिसीमन का इंतजार करने की क्या जरूरत है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर विपक्ष को बदनाम करने का आरोप लगाया। खडगे ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजु पर टिप्पणी करते हुए कहा- प्रधानमंत्री विपक्षी नेताओं के पत्रों का खुद जवाब नहीं देते, बल्कि दूसरों के जरिए जवाब भिजवाते हैं। पीएम ने रिजिजु को असली अधिकार नहीं दिए हैं। ज्ञानेश कुमार की तरह मध्यस्थ की तरह उनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

खडगे की 3 मुख्य बातें...

1. EVM हटाकर बलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग : खडगे ने एश्ट की जगह बलेट पेपर से चुनाव कराने और मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव होना जरूरी है। संविधान यह तय नहीं करता कि कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी को ही जीतना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है।
2. परिसीमन विधेयक पर विपक्ष की सहमति नहीं लेने का आरोप : खडगे ने कहा कि सरकार ने अप्रैल 2026 में परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक कम समय में और विपक्ष की सहमति के बिना लाने की कोशिश की। उन्होंने बड़े संवैधानिक बदलावों से पहले सभी दलों से चर्चा करने और तयदलीय बैठक बुलाने की मांग की।
3. चुनाव आयुक्तों को कानूनी संरक्षण देने वाला कानून हटाने की मांग : खडगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 हटाने की मांग की। इस धारा के तहत चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक काम से जुड़े कुछ मामलों में कानूनी संरक्षण मिलाता है। खडगे ने आरोप लगाया कि इससे उनकी जवाबदेही कम होती है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, पुरानी व्यवस्था बहाल करने और मतदाता सूची में बदलाव की निगरानी बढ़ाने की मांग की।

दिल्ली से पंजाब तक वाहन चोरों का नेटवर्क;
एनसीआर से गाड़ी चुराकर पंजाब में बेचता था गैंग

» नई दिल्ली, एजेंसी।

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता मिली है। पहली कार्रवाई में दिल्ली से पंजाब तक फैले अंतरराज्यीय कार चोरी रैकेट का पदार्पाश करते हुए दो ऑटोलाइफ्टों को पंजाब से गिरफ्तार किया गया है और चोरी की पांच कारों बरामद की गई हैं। वहीं दूसरी कार्रवाई में मोबाइल स्टील के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। एंटी ऑटो थैफ्ट स्क्वाड (एएटीएस), सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने पंजाब बेस्ड अंतरराज्यीय ऑटोलाइफ्ट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जॉर्जियाला गुरु, अमृतसर, पंजाब से दो सक्रिय ऑटोलाइफ्ट गन शशेर (33) और रिकू उर्फ रिकी (39) को गिरफ्तार किया है। दोनों ही जॉर्जियाला गुरु, अमृतसर के रहने वाले हैं। इनके पास से चोरी की पांच कारों बरामद हुईं हैं, जो भी चुराई क्रेटा और एफ मार्केट डिजायर शॉडिल हैं। इससे मोटर क्लिकल चोरी के पांच मामले सुलझ गए हैं। पुलिस के अनुसार, 14 अप्रैल को ओल्ड राजिंदर नगर के एक निवासी की शिकायत पर राजिंदर नगर में केश उन्ह हुआ था। शिकायत थी कि उनके घर के बाहर खड़ी सफेद

हुड्डा क्रेटा चोरी हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएटीएफ, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट को जांच सौंपी गई। जांच के दौरान मुंबईआर डीजेजेसएस और तकनीकी निगरानी से पता चला कि पंजाब का एक रैकेट दिल्ली एनसीआर से अच्छी कंडीशन का गुप्तगार्डियां चुनकर फजी नंबर प्लेट लगाकर पंजाब में बेच देता है। गुप्त सूचना पर 16 अक्टूबर को अमृतसर के जंजालिया गुरु में छापा मारकर फजी शमशेर को पकड़ा गया। उसके पास से काली हुड्डा क्रेटा बरामद हुई। पूछताछ के में उसने अपने साथी रिकू के बारे में बताया। इसके बाद 16 अक्टूबर को ही रिकू को भी अमृतसर से पकड़ा गया और उसकी निशानदेही पर राजेंद्र नगर केस की सफेद क्रेटा बरामद हुई। आरोपियों ने बताया कि वे रात के समय दिल्ली-नंबर कार से गाड़ियां चुराते थे, फजी नंबर प्लेट लगाते थे और पंजाब में अपने सोर्स हरप्रती उर्फ हनी, निवासी अमृतसर के जरिए बेचते थे। पुलिस अहम हरप्रती और रैकेट के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। दूसरे मामले में पौरी सिधौरी, पृथी, दूसर डीबीबी रोड, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने स्वेनिंग के केस में दो आरोपियों को पकड़ा है। इसमें 20 साल का जोगेंद्र, निवासी सफ बाजार, दिल्ली और एक 16 साल का नाबालिग शामिल है।

एगीवोल्टाइक्स से किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण समृद्धि को मिलेगा नया आधार: प्रधानमंत्री मोदी

» नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और शिवराज सिंह चौहान के एक लेख को शेयर करते हुए एग्रीवोल्टाइज्म से संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह तकनीक कृषि गतिविधियों के साथ सैद्धांतिक रूप से उत्पादन को जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण समृद्धि को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री ने कहा कि एग्रीवोल्टाइज्म किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत उपलब्ध कराने का सकता है, ऊर्जा लागत कम कर सकता है और फसल उत्पादकता को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने इसे ग्रामीण विकास और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया। गौरतलब है कि भारत 21 से 23 अक्टूबर तक नई दिल्ली में सातवें एग्रीवोल्टाइज्म वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस की मेजबानी कर रहा है, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के ग्लोबल साउथ रैंजिं ग्री है। लेखकों में प्रह्लाद जोशी और शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एग्रीवोल्टाइज्म, जिसे एग्रीप्रीनी भी कहा जाता है, किसानों को एक ही भूमि पर खेती जारी रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का अवसर देती है। इससे किसानों की आय के स्रोत बढ़ सकते हैं और कृषि क्षेत्र में अनिश्चितताओं के बीच उनकी आर्थिक मजबूती बढ़ सकती है। सरकार के अनुसार, प्रधानमंत्री-कुसुम योजना के अगले चरण में एग्रीवोल्टाइज्म को विशेष स्थान दिए जाने की तैयारी है। इससे कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा



ने कहा कि एग्रीवोल्टाइड्स पर निर्भर आय का स्रोत उपलब्ध ऊर्जा लागत कम कर सकता है। यह अवकाश को बढ़ावा दे सकता है। विकास और किसानों की जगजगत् करने का एक महत्वपूर्ण कारगर लक्ष्य है कि भारत 21 से 23 दिल्ली में सातवें एग्रीवोल्टाइड्स में जेम्बानी कर गई है, जिसकी लोबलोलब साउथ रखी गई है। लेख और शिवराज सिंह चौहान ने एग्रीवोल्टाइड्स, जिसे एग्रीवीवी भी कहा जा सकता है भूमि पर खेती जारी कर ऊर्जा उत्पादन का अवसर देता है। की आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। अनिश्चितताओं के बीच जगजगत् बढ़ सकती है। सरकारी नमर्नी-कुसुम योजना के अगले एग्रीवोल्टाइड्स की विशेष स्थान दिए हैं। इससे कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन को और गति मिलेगी और सिंचाई के सौरकरण के प्रयासों को मजबूत आधार मिलेगा। मंत्रियों ने अपने लेख में उल्लेख किया कि भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीधे हैं। किसानों ने एग्रीवोल्टाइड्स उन्हें कृषि उत्पादन और स्वच्छ ऊर्जा, दोनों से आय अर्जित करने का अवसर दे सकता है। उनके अनुसार, यह मॉडल बिजली बिक्री से अतिरिक्त आय उपलब्ध करने के साथ-साथ डीजल और खरीदी हुई बिजली पर निर्भरता कम कर सकता है। इसके अलावा यह सूक्ष्म जलवायु (माइक्रोक्लाइमेट) तैयार करने में मदद करता है, जिससे फसलों की अत्यधिक गर्मी, सूखे, तीव्र सौर विकिरण और ओलावृष्टि जैसी स्थितियों से सुरक्षा मिल सकती है। लेख में कहा गया है कि एग्रीवोल्टाइड्स के व्यापक उपयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। सौर अवसंरचना की स्थापना, रखरखाव और उससे जुड़ी कृषि सेवाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

प्राथमिकताओं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के शत्रुओं के खिलाफ एकजुट होने के आह्वान पर भी भाजपा सांसद ने

सत्ता परिवर्तन सिर्फ चुनाव से होता है, सपनों की दुनिया से बाहर आए विपक्ष: प्रवीण खंडेलवाल

» नई दिल्ली, एजेंसी।

परिवर्तन संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि भारत का लोकतंत्र बेहद मजबूत है। यहाँ जब भी सत्ता परिवर्तन होता है, वह चुनाव के माध्यम से ही होता है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक यहीं परंपरा रही है। खंडेलवाल ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग सत्ता परिवर्तन या व्यवस्था बदलने की बातें करने के सपने देख रहे हैं, उन्हें अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए। उन्होंने कुछ विपक्षी नेताओं की सोच को हृदिमार्ग नक्सलवाद करार देते हुए आरोप लगाया कि ऐसे लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। पंजाब में नशे के कारोबार को लेकर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि जिस तरह



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में औद्योगिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया गया, उसी तरह पंजाब से भी नशे के कारोबार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के शासनकाल में पंजाब नशे का समस्या की चपेट में आ गया, जिससे राज्य के लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। खंडेलवाल ने कहा कि पंजाब को नशामुक्त

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के पूर्व सीएम विजयन के खिलाफ जांच पर एक

सप्ताह के लिए लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराय विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद मोहम्मद रियास को बड़ी राहत दी। अदालत ने तीनों के खिलाफ कोचीन मिमरन्स एंड रूटलैंड लिमिटेड (सीएमआरएल) - एक्सलॉजिंक सॉल्यूशंस के मामले में चल रही जांच पर अतिरिक्त रोक लगाई है। यह रोक एक इप्ले तक लागू रहेगी, ताकि पिनाराय अदालत जिस मामले में अपने खिलाफ एकआईआर दर्ज करने के सिंगल-जज के आदेश के खिलाफ केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में अपील कर सकें। हाईकोर्ट की सिंगल जज ने प्रवर्तन निदेशालय (एडो) की सिफारिश के आधार पर विजयन के खिलाफ एकआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। कथित सीएमआरएल-एक्सलॉजिंक रिश्वत मामले में केरल हाईकोर्ट के एकआईआर दर्ज करने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। बुधवार को सुनावई के दौरान जस्टिस जयमल्ल बागवी और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने केरल हाईकोर्ट की इबल बेंच से इस मामले में सुनावई कोर्ट को कहा। साथ ही, हाईकोर्ट की जल्दबाजी पर साला उठाया। बेंच ने कहा कि दूसरे पक्ष को सुनना चाहिए था। कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार ने पहले ही शुरूआती जांच के लिए एक विशेष जांच दल (सीआईटी) का गठन कर दिया है। इसलिए, हाईकोर्ट को इसी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी और विजयन का पक्ष सुने बिना एकआईआर दर्ज करने का आदेश नहीं देना चाहिए था। यह मामला कोचीन मिमरन्स एंड रूटलैंड लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीना की कंपनी एक्सलॉजिंक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। एडो का दावा है कि सीएमआरएल कंपनी ने पिनाराय विजयन की बेटी वीणा की बंद हो चुकी कंपनी एक्सलॉजिंक सॉल्यूशंस को आईटी परिणामों सेवाओं की आड़ में 2.78 करोड़ रुपए का अथर्व या फर्जी भुगतान किया था। केरल हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने 9 अक्टूबर को इस मामले में केरल के सर्वोच्च और अध्यावार बरदो (टीएससीबी) को एकआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने भी पिनाराय विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद मोहम्मद रियास की अपील को खारिज कर दिया था।

सीएम भगवंत मान को एयरपोर्ट पर क्यों रोका गया, जल्द दिया जाए स्पष्टीकरण : उदित राज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान, रामलीला में कॉकरोच का पुतला जलाने के विवाद और अण्डा के मुख्याभिनव भंगवत मान को पेरिस से लौटते समय दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिए जाने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मान को रोके जाने के मामले में उचित स्थीकरण देने की मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि अमेरिका के सचने पुनःभारत की जानकारी है और वह वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ऐसा है कि अमेरिका के पास दुनिया की फ़ॉर्मेशन है। अमेरिका दुनिया का दादा भी है और उसका अपना सिस्टम है। हम लोग तो पेरिस और फ्रांस के बारे में ज्यादा जानते नहीं कि उसकी ज्योग्राफी क्या है और प्युवर जान स्या है। यह उनका बयान हो सकता है। उ उ बयान पर मंक क्या कह सकता हु? सीजीपी पर उन्होंने कहा कि सीजीपी तो आम आदमी पार्टी की प्रॉक्सी है और इस विवाद से संगठन को प्रबल मिला है। उनको तो फायदा होगा, वह तो गगदग होंगे। सीजीपी से जुड़े नेता पहले आम आदमी पार्टी में रहे हैं और जंजर-मंतर पर हुए घटनाक्रम में उनकी सहभागिता थी। उस कार्यक्रम में शामिल हुए किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं थे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि पेरिस से लौटते समय पंजाब के मुख्याभिनव भंगवत मान को दिल्ली हवाई अड्डे पर तीन घंटे तक हिरासत में रखा गया और उन पर 50,000 रुपये का जुमाना लगाया गया। इस मामले पर उदित राज ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि भंगवत मान को हिरासत में क्यों लिया गया था। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम पर उचित स्थीकरण देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि जिस तरह से काम हो रहा है, वह देश के लिए पसी है। एक के बाद एक लोगों को टारगेट किया जा रहा है। जब तक पंजाब के मुख्याभिनव भंगवत मान को दिल्ली हवाई अड्डे पर रोकने के कारणाों की नहीं बताया जाएगा, तब तक चर्चाई का पता नहीं लेवंगा। देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होने की प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, देश के दुश्मन तो उनके साथ ही हैं। आरएसएस देश का सबसे बड़ा दुश्मन है। वे लगातार साजिशें रचते रहते हैं। देश के सबसे बड़े दुश्मन तो उनके ठीक बगल में ही हैं।

विदेशी ताकतें भारत की प्रगति से परेशान, देश को एकजुट रहना होगा : आर.पी. सिंह

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने मंगलवार को कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें प्रधानमंत्री का भाषण, अमित शाह की पंजाब यात्रा, मोहन भागवत का बयान, भारत-न्यूज़ीलैंड ट्वेंटी ट्वेंटी आर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समर्थन वाले बयान शामिल हैं। भाजपा प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा, अमित शाह ने आज पंजाब का दौरा किया और आहत हाल ही में यह उनका दूसरा दौरा है। हमारा अभियान नशीले पदार्थों के खिलाफ है और अमित शाह ने वादा किया है कि 2029 तक हम पंजाब को नश्या मुक्त बना देंगे। अगर जनता हमें आशीर्वाद देकर सत्ता में लाती है, तो हम पंजाब को नशा मुक्त कर देंगे। प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर टिप्पणी करते हुए आर.पी. सिंह ने कहा, भारत एक सांस्कृतिक देश है। जब भी हमारी संस्कृति पर हमला हुआ है तो पूरा देश एकजुट होकर खड़ा रहा है। धर्म, जाति और धर्म को भुलाकर हम सब मिलकर उन लोगों को जवाब देते हैं जो हम पर हमला करते हैं। प्रधानमंत्री ने यही अपील की है। आज भी बावरी ताकत किसी न किसी तरह देश पर हमला करके अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, पिछले 10-12 वर्षों में, वैश्विक स्तर पर भारत का एक बढ़ा है। आज दुनिया के जो देश नेतृत्व कर रहे हैं, वे नही चाहते कि भारत भी तत्कालीन है। वे इस बात से परेशान हैं कि हमारी लीडरशिप लगातार बढ़ रही है और भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए उस से अपना भी रहा है। उन्हें इसी बात से दिवकत है और इसीलिए विदेशी ताकतें सक्रिय हैं। जैसा कि कांग्रेस ने रहस्य गोलियों के सलाहकार सैम फिरोदा ने भी कहा था कि अगर जॉर्ज कायेरोस 10 अरब डॉलर खर्च कर भी दें, तो इसमें बड़ी बात क्या है? यानी, कहीं न कहीं एक बड़ी जाँझ खल रही है और इसके खिलाफ पूरे देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए।

बनाना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भरोसा जताया कि नरेंद्र मोदी के कारोबार के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए जायें। प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में के शत्रुओं के खिलाफ एकजुट होने के आह्वान पर भी भाजपा सांसद ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शुरू से ही देश के निर्माण में सभी की भागीदारी पर जोर दे रहे हैं। ह्रासबका मूल मंत्र रहा है। खंडेलाल ने उनका लगाया कि देश में कुछ विपक्षी दलों और नेताओं को राष्ट्रीय प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है और वे अपने राजनीतिक स्वार्थों को प्रचार-सेवा से ऊपर रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधामंत्री की अपील के बाद ऐसे नेताओं को आत्ममंथन करना चाहिए और देश की

मुख्यधारा से जुड़कर विकास में योग देना चाहिये। दिल्ली में रामलीला कार्य के दौरान कॉकरोच का पुतला जलाए को लेकर आम आसमी पार्टी के दिग्गज अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज द्वारा एफआईए दर्ज करने की मांग पर भी खंडेलवाल प्रतिवक्रिया दी। उन्होंने सवाल किया कि मामले में एफआईए दर्ज करने आधार क्या है। खंडेलवाल ने कहा कि कॉकरोच बीमारों और अस्पृच्छता से होता है। यदि स्वच्छता के संदेश को ध्यान में रखकर उसका पुतला जलाया जा रहे तो सौरभ भारद्वाज को इससे क्या आपत्ति सकती है? उन्होंने भारद्वाज पर निशेधादेश दिए कहा कि उनकी प्रतिक्रियाएँ सधेरे लगती है कि वह इस मामले अनावश्यक रूप से तूल दे रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मामा-भांजे की मौत

बांदा। मंगलवार रात साढ़े 9 बजे तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मामा-भांजे की मौत हो गई।

दोनों बबेरू में दशहरा देखकर बांदा लौट रहे थे। उन्हें बांदा में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन देखना था।

रास्ते में कोतवाली देहात क्षेत्र के पल्हरी गांव के पास एनजी गार्डन के नजदीक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक पकड़ लिया गया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बबेरू के रहने वाले सुनील धुरिया पुत्र शिवकुमार धुरिया और खप्टिहा कलां के रहने वाले अंकित धुरिया (23) रिश्ते में मामा-भांजे थे। सुनील मामा और अंकित उनका भांजा था। मंगलवार को दोनों बबेरू में दशहरा देखने गए थे। शाम करीब साढ़े सात बजे वहां से बाइक से बांदा के लिए निकले। रात करीब साढ़े नौ बजे पल्हरी गांव के पास एनजी गार्डन के नजदीक विपरीत

दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की जान चली गई। सुनील धुरिया दिल्ली की एक निजी कंपनी में काम करता था। कोविड के बाद से वह वर्क प्रॉम होम मोड पर काम कर रहा था। उसकी शादी साल 2022 में मानु से हुई थी। दंपती की अभी कोई संतान नहीं थी। पत्नी बीटीसी की पढ़ाई कर रही है। परिजनों के मुताबिक, सुनील घर से निकलने से पहले अपने पिता को पान खिलाकर निकला था। वह बबेरू में दशहरा देखने के बाद बांदा में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन देखने आ रहा था। परिवार को क्या पता था कि घर से निकला सुनील अब कभी वापस नहीं लौटेगा। अंकित धुरिया खप्टिहा कलां का रहने वाला था। वह बीए तृतीय वर्ष में पढ़ाई कर रहा था और सूरत में रहकर मजदूरी भी करता था। परिजनों के अनुसार, वह सोमवार को बस से अकेले बबेरू आया था।

पहले मानवता फिर परंपरा, एंबुलेंस के लिए सीएम ने रुकवाई विजयादशमी शोभायात्रा सायरन सुनते ही ठहरे योगी, मरीज के लिए खाली कराई सड़क

लखनऊ। विजयादशमी के पावन पर्व पर नाथपंथ के विश्व प्रसिद्ध केंद्र गोरक्षपीठ से निकली पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय ने मानवता की सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया है। उनके निर्णय ने यह संदेश भी दिया कि किसी भी परंपरा से पहले किसी की जिंदगी बचाना सबसे जरूरी है। विजयादशमी शोभायात्रा के दौरान गोरखनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से आगे श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और सख्त सुरक्षा घेरे के बीच जैसे ही एक एंबुलेंस का सायरन सुनाई दिया, मुख्यमंत्री ने परंपरा और प्रोटोकॉल से ऊपर मानवीय जीवन को प्राथमिकता देते हुए शोभायात्रा को तुरंत रुकवा दिया। उनके निर्देश पर



के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पारंपरिक विजयदशमी शोभायात्रा आगे बढ़ रही थी। मंदिर के मुख्य द्वार के आगे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी थी। इसी दौरान एक गंभीर मरीज को ले जा रही एंबुलेंस वहां पहुंच गई

और भीड़ के कारण फंसने लगी। जैसे ही सीएम योगी के वाहन तक सायरन की आवाज पहुंची, उन्होंने

की इस पहल को समझते हुए तुरंत सहयोग किया और रास्ता खाली कर दिया। भारी भीड़ और तंग व्यवस्था के बावजूद एंबुलेंस बिना किसी रुकावट के सुरक्षित निकल गई। एंबुलेंस के आगे बढ़ जाने के बाद ही शोभायात्रा अपने तय मार्ग पर पुनः आगे बढ़ी।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट यूजर्स और आम जनता मुख्यमंत्री की इस मानवीय पहल की जमकर सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन और भारी भीड़ के बीच वीआईपी प्रोटोकॉल को दरकिनार कर एक आम मरीज की जान को प्राथमिकता देना सच्चे नेतृत्व और संवेदनशीलता की पहचान है।

अमरावती मिडटाउन: सोल्ड आउट प्रोजेक्ट में अब समय से पहले पजेशन का मौका

लखनऊ: लखनऊ का शहीद पथ बोते कुछ वर्षों में शहर के तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में शामिल हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवाओं, खरीदारी और कारोबार से जुड़ी सुविधाओं ने इस क्षेत्र को घर खरीदने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण लोकेशन बना दिया है। इकाना स्टेडियम, फीनिक्स पलासियो और लुलु मॉल जैसी जगहें इस इलाके की पहचान बन चुकी हैं। वहीं, मेदांता, अपोलो और कैसर इंस्टीट्यूट जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं से आसपास के क्षेत्र में लोगों को कई

ऑप्शन मिलते हैं। इसी डेवलप होते एरिया में गोमती नगर एक्सटेंशन



स्थित अमरावती मिडटाउन ने अपने आवासीय प्रोजेक्ट के जरिए घर खरीदने वालों के बीच जगह बनाई

उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा



के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने या कमजोर लोगों को उजाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाए और

चाय की दुकान पर युवक पर तमंचे से फायरिंग, चार पर केस

बांदा। जिले के ओरन कस्बे में मंगलवार देर रात साढ़े 11 बजे चाय की दुकान पर मैगी खाने गए युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि गालीगलौज का विरोध करने पर हुए विवाद के बाद एक युवक ने तमंचे से फायरिंग कर दी। शिकायतकर्ता ने गोली से बाल-बाल बचने की बात कही है। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ओरन कस्बा निवासी कुलदीप शिवहरे ने बिसंडा थाने में तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर की रात करीब 11.20 बजे उसका भाई प्रबल शिवहरे कस्बे में नितिन सोनी की दुकान पर मैगी खाने गया था। आरोप है कि इसी दौरान नीरज द्विवेदी उर्फ गोलू, धीरेंद्र द्विवेदी, पुष्पेंद्र द्विवेदी और देवेंद्र द्विवेदी वहां पहुंचे। चारों पर नशे की हालत में गालीगलौज करने का आरोप है। प्रबल ने विरोध किया तो विवाद हो

कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी मदद करने और किन्हीं कारणों से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों को उनका लाभ दिलाने को भी कहा। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए अर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उपचार के लिए हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इलाज के खर्च से जुड़े अनुमान तैयार करने की प्रक्रिया जल्द पूरी कर प्रस्ताव शासन को भेजे जाएं। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए सहायता मांगने आए लोगों से आयुष्मान कार्ड के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जरूरतमंदों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं हैं, उनके कार्ड बनवाए जाएं।

पुलिस स्मृति दिवस पर अधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए

बांदा। फतेहगंज में बाघोलन एसटीएफ कांड के शहीद जवानों की याद में स्मृति दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम बाघोलन वन चौकी के पास स्थित शहीद स्मारक पर हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। 22 जुलाई 2007 की रात बाघोलन तिराहे के पास डकैत ठोकिया के गिरोह ने घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में एसटीएफ के छह जवान और एक मुखबिर शहीद हो गए थे। यह घटना दस्यु सरगना ददुआ के मारे जाने के अगले दिन हुई थी। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अतरां अमरनाथ गुप्ता, फतेहगंज थाना प्रभारी राजेश कुमार, नरैनी ब्लॉक प्रमुख मनफूल पटेल, कुरुहू के ग्राम प्रधान जयराम त्रिपाठी, बरछा डडिया के प्रधान नरेंद्र पटेल, पूर्व प्रधान ओम प्रकाश गुप्ता, श्रीराम गुप्ता, चंद्र किशोर, अजीम खान, सूरजभान और कोदूराम सहित कई स्थानीय लोग मौजूद थे।

दशहरे का त्योहार धूमधाम से मनाया गया,जगह-जगह हुआ रावण दहन

बांदा। जसपुरा क्षेत्र में दशहरे का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। कई जगहों पर रावण दहन के कार्यक्रम हुए। लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। रावण दहन देखने के लिए स्थानीय लोगों में काफी उत्साह दिखा। इन कार्यक्रमों से लोगों को बुराई छोड़कर अच्छाई के रास्ते पर चलने का संदेश मिला। दशहरा सिर्फ रावण जलाने का नहीं, बल्कि अपनी बुराइयों को खत्म कर अच्छे विचार अपनाने का त्योहार है। रावण दहन के बाद कई जगहों पर दशहरा मिलन कार्यक्रम हुए। लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर त्योहार की बधाई दी। परंपरा के मुताबिक, लोगों ने एक-दूसरे को पान खिलाकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान आपसी मेलजोल और सौहार्द का माहौल रहा। लोगों ने सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

घर के अंदर फंदे से लटका मिला मजदूर का शव

बांदा। जनपद के कालिंजर कोतवाली क्षेत्र के सढ़ा गांव में बुधवार सुबह साढ़े 7 बजे एक मजदूर का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। वह दूसरे मकान में अकेले रहता था और मजदूरी करके अपना गुजारा करता था। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद घर के पीछे से अंदर पहुंचने पर उसका शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान ग्राम सढ़ा, तहसील नरैनी के रहने वाले 45 साल के कैलाश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे ग्रामीणों ने देखा कि कैलाश के घर का गेट नहीं खुल रहा है। आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद लोग मकान के पीछे की ओर से चढ़कर अंदर पहुंचे। वहां कैलाश का शव बांस की बल्ली से साफ़ी के सहारे फंदे पर लटका हुआ था। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी संबंधित लोगों को दी। कैलाश की शादी नहीं हुई थी। परिवार में उससे बड़े भाई कौशल किशोर हैं, जो उससे दूर रहते हैं। परिजनों के अनुसार, कैलाश बुधवार रात भी शराब पीकर घर आया था। हालांकि, उसने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी परिवार के लोगों को नहीं है। घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल रहा। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के संबंध में पुलिस की कार्रवाई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होने के बाद आगे की जानकारी सामने आ सकेगी।

पारिवारिक विवाद में अधिवक्ता पर कुल्हाड़ी

से हमला,इलाज के दौरान तोड़ा दम

लखनऊ। राजधानी में चाचा को समझाने पहुंचे 30 वर्षीय अधिवक्ता दिव्यांशु मिश्रा उर्फ शुभम की हमले में मौत हो गई। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के दौरान चाचा गुड्डन मिश्रा उर्फ अजय मिश्रा ने उन पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल दिव्यांशु ने मंगलवार को मड़ियांव क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में गुड्डन मिश्रा भी घायल हुए हैं। परिजनों के मुताबिक, गुड्डन नशे की हालत में पत्नी से विवाद करते थे और अपनी जमीन बेच रहे थे। इसी को लेकर दिव्यांशु उन्हें समझाने पहुंचे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना महिगवां थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक, गुड्डन मिश्रा अक्सर नशे की हालत में अपनी पत्नी से विवाद करते थे। घटना से एक दिन पहले भी उनका पत्नी से झगड़ा हुआ था। इसके बाद पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों ने दिव्यांशु को फोन कर इसकी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि दिव्यांशु सोमवार को अपने चाचा को समझाने के लिए परसहिया के शुक्लन पुरवा गांव स्थित उनके घर पहुंचे थे। मृतक के साले अनिमेश पांडेय के मुताबिक, दिव्यांशु मड़ियांव के प्रीति नगर में रहते थे और पेशे से अधिवक्ता थे। वह अपने चाचा को समझाने पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि गुड्डन नशे की हालत में अपनी पूरी जमीन बेच रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गुड्डन ने दिव्यांशु के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से दिव्यांशु जमीन पर गिर पड़े। अनिमेश पांडेय के अनुसार, दिव्यांशु को खून से लथपथ देखकर गुड्डन के नाबालिग बेटे ने अपने पिता पर डंडे से हमला कर दिया। इससे गुड्डन भी घायल होकर बेहोश हो गए। इसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मदद से दोनों घायलों को बीकेटी स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। अस्पताल में दिव्यांशु की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें कंजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि, परिजन उन्हें मड़ियांव क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गुड्डन मिश्रा का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर वहां पुलिस बल तैनात है।

अमेरिका सैन्य क्षेत्र में 1.5 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करना चाहता है: रक्षा मंत्री हेगसेथ

» वाशिंगटन,एजेंसी।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका की सेना में 1.5 ट्रिलियन डॉलर का निवेश चाहता है। इसका उद्देश्य हथियारों के उत्पादन में तेजी लाना, स्वायत्त युद्ध क्षमताओं का विस्तार करना और विदेशी रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को कम करना है। ओहियो और विस्कॉन्सिन के दौरे के दौरान रक्षा उद्योग के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने कहा कि पेंटागन अपनी खरीद प्रणाली में व्यापक बदलाव कर रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य के उन संघर्षों के लिए तैयार होना है, जिनमें ऑर्टोफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बिना चालक वाले हथियार और उन्नत संचार प्रणालियां शामिल होंगी। प्रस्तावित खर्च अमेरिकी सैन्य निवेश में एक बड़ा विस्तार होगा। डेटन, ओहियो में सिएरा नेवादा कॉर्पोरेशन में उन्होंने कहा कि प्रशासन अमेरिकी विनिर्माण को मजबूत करना चाहता है और पारंपरिक खरीद प्रणालियों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से सैन्य प्रौद्योगिकियों को विकसित करना चाहता है। हेगसेथ ने कहा, हम 1.5 ट्रिलियन



डॉलर के निवेश की मांग कर रहे हैं। यह एक ऐसा निवेश होगा जो आने वाली पीढ़ियों के काम आएगा और इससे यह सुनिश्चित होगा कि हम दुनिया की सबसे मजबूत और शक्तिशाली सेना बने रहें। उन्होंने कांग्रेस से एक ऐसे पैकेज को मंजूरी देने का भी आग्रह किया, जो रक्षा से जुड़ी

प्राथमिकताओं के लिए कम से कम 350 अरब डॉलर की राशि उपलब्ध कराए। रक्षा सचिव ने कहा कि निमाताओं को दीर्घकालिक निश्चितता देने और नई उत्पादन सुविधाओं में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। उन्होंने तर्क दिया कि पेंटागन

अब ऐसे अग्रिम कार्यक्रमों को बर्दाश्त नहीं कर सकता, जिनमें हथियार और सैन्य उपकरण मिलने में एक दशक या उससे अधिक का समय लग जाता है। इसके बजाय, विभाग ऐसी महत्वपूर्ण क्षमताएं चाहता था जो कुछ महीनों या कुछ वर्षों के भीतर उपलब्ध हो सकें। हेगसेथ ने कहा कि भविष्य के संघर्ष काफी हद तक कई क्षेत्रों में काम करने की क्षमता पर निर्भर करेंगे, जिनमें अंतरिक्ष, पानी के नीचे का वातावरण, साइबरस्पेस और स्वायत्त (ऑटोनॉमस) सिस्टम शामिल हैं। उन्होंने प्रोजेक्ट मेरिडियन का उदाहरण दिया, जो हाल ही में शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य सैन्य प्लेटफॉर्मों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना और नई तकनीकों को तेजी से शामिल करना है। विभाग एक ऑटोनॉमस वायरफेयर कमांड भी विकसित कर रहा था। उन्होंने इसे चार-स्टार कमांड बताया, जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त रोबोटिक्स, ऑर्टोफिशियल इंटेलिजेंस और मानवरहित सैन्य सिस्टम (अनमैन्ड मिलिट्री सिस्टम) को संभालना होगी। यह प्रस्तावित कमांड सशस्त्र बलों में स्वायत्त क्षमताओं की तैनाती के समन्वय में मदद करेगी। हेगसेथ ने कहा कि

सुरक्षित घरेलू उत्पादन और भरोसेमंद सप्लाई चेन के बिना, केवल तकनीकी श्रेष्ठता काफी नहीं होगी। उन्होंने कहा, जो कोई भी समुद्र के नीचे और चंद्रमा के आसपास के अंतरिक्ष (सिसलूनर) क्षेत्र को नियंत्रित करेगा, वही अगली लड़ाई में अपना दबदबा बनाए रखेगा। सिएरा नेवादा कॉर्पोरेशन में हेगसेथ ने नेक्स्ट-जेनरेशन सर्वाइवेबल एयरबोर्न ऑपरेशंस सेंटर पर हो रहे काम का जिक्र किया। यह एक ऐसा सैन्य विमान है जिसे राष्ट्रीय आपातकाल (जिसमें परमाणु संकट भी शामिल है) के दौरान राष्ट्रपति के कमांड और कंट्रोल को सुरक्षित रखने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने ब्रॉलर और मॉलर एयर-डिफेंस सिस्टम का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अमेरिकी कमांडर इनका इस्तेमाल दो अलग-अलग युद्ध क्षेत्रों में कर रहे हैं, ताकि अमेरिकी सेनाओं को ह्रासममित हमलों से बचाया जा सके। रक्षा सचिव ने कहा कि पेंटागन अब केवल स्थापित रक्षा ठेकेदारों पर निर्भर रहने के बजाय, छोटे निमाताओं और नई तकनीक वाली कंपनियों के लिए भी खरीद के अवसर खोलना चाहता है।

ट्रंप को गोली मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

» वाशिंगटन,एजेंसी।



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गोली मारने की धमकी देने के आरोप में 24 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिकी अर्टांनी कार्यालय के अनुसार, आरोपी की पहचान जेडेन रीड के रूप में हुई है। उसे शनिवार को कंसास के क्लियरवॉटर से गिरफ्तार किया गया। वह फिलहाल संघीय हिरासत में है और उसकी हिरासत को लेकर सुनवाई होनी है। अमेरिकी अर्टांनी कार्यालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि मामले की जांच 15 अक्टूबर को मिली एक सूचना के बाद शुरू हुई थी। इस सूचना के आधार पर अधिकारियों ने आरोपी की फेसबुक टिप्पणियों की जांच की। ये टिप्पणियां केएकेई न्यूज की उस खबर के नीचे की गई थीं, जिसमें ट्रंप के कंसास के विचिता दौरे की जानकारी दी गई थी। जांचकर्ताओं के अनुसार, रीड ने फेसबुक पर ट्रंप को गोली मारने की बात कही थी। उसने लिखा, ट्रंप को गोली मार देनी चाहिए। और पूछा कि उन्हें निशाना बनाने वाला व्यक्ति कहाँ है? इसके तुरंत बाद उसने एक अन्य टिप्पणी में हथियार और

गोलियों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति को मारने की धमकी दी। अधिकारियों को जांच के दौरान केडब्ल्यूसीएच 12 न्यूज की एक अन्य खबर पर भी आरोपी की टिप्पणियां मिलीं। यह खबर भी ट्रंप के प्रस्तावित दौरे से संबंधित थी। इनमें रीड ने राष्ट्रपति को कंसास में गोली मारने की इच्छा जताई और खुद ऐसा करने की बात कही। आरोपी ने एक अन्य टिप्पणी में दावा किया कि उसे पता है कि ट्रंप कहाँ भाषण देंगे। उसने आसपास की इमारतों की छतों का नक्शा तैयार करने का भी उल्लेख किया। जांचकर्ताओं के अनुसार, उसकी टिप्पणी में इस्तेमाल किया गया वाक्यांश गेट किंगडॉम सितंबर 2025 में यूटा वैली यूनिवर्सिटी में 31 वर्षीय राजनीतिक कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या की घटना की ओर संकेत करता प्रतीत होता है।

भारतीय दूत ने गुयाना के राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र सौंपा, संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

जॉर्जटाउन। भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने एक आधिकारिक समारोह में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। गुयाना में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने आज राजधानी जॉर्जटाउन में गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली को अपना परिचय पत्र सौंपा। दोनों के बीच बातचीत हुई जिसमें भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया, साथ ही कई क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मागौरिटा अग्रस्त में गुयाना दौरे पर गए थे। उन्होंने वहां शेंश की आजादी की 60वीं वर्षगांठ और भारत-गुयाना राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के जश्न में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया था। विदेश राज्य मंत्री मागौरिटा ने एक्स पर लिखा, गुयाना की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ और भारत-गुयाना राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के जश्न में शामिल होना सम्मान की बात है। चूंकि गुयाना स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय जैसे स्थायी मूल्यों का जश्न मना रहा है, ऐसे में भारत एक भरोसेमंद और भविष्यवन्मुखी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग, जो साझा इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल नवाचार, क्षमता निर्माण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहा है।

सूडान में ड्रोन अटैक से भारी तबाही, संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

» जिनेवा,एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में रियायशी इलाकों और अहम बुनियादी ढांचों पर लगातार हो रहे ड्रोन हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा, हमें रविवार को वेस्ट कोडोफान राज्य के अल दिबाब इलाके में एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में कई लोगों के मारे जाने की खबर मिली है। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। प्रवक्ता ने कहा, यह हमला एक बेहद चिंताजनक चलन का हिस्सा है। हम पूरे देश में लगातार हो रहे ड्रोन हमलों और उनसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को हो रहे नुकसान को लेकर चिंतित हैं। ये हमले उन समुदायों के लिए विनाशकारी साबित



हो रहे हैं, जो पिछले तीन साल से भी अधिक समय से जारी संघर्ष के परिणाम भुगत रहे हैं। सिंहआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को खार्तूम में एक ड्रोन के रियायशी इलाके में गिरने से दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चों और उनके पिता की मौत हो गई। दक्षिण दारफूर राज्य की राजधानी न्याला में भी सोमवार

को एक रियायशी घर पर ड्रोन हमला हुआ, जिसमें कई नागरिक हताहत हुए और आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा। दुजारिक ने बताया कि मंगलवार को व्हाइट नाइल राज्य के टेंडल्टी शहर में ड्रोन हमलों से मुख्य बिजली स्टेशन को नुकसान पहुंचा। प्रवक्ता ने कहा, हम फिर दोहराते हैं कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की जानी चाहिए। सभी पक्षों को सैन्य अभियानों के दौरान नागरिकों और नागरिक संपत्तियों को नुकसान से बचाने के लिए लगातार सावधानी बरतनी चाहिए। दुजारिक ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र सूडान और दक्षिण सूडान के बीच स्थित अवेई क्षेत्र में दक्षिणी सीमा के पार हुए ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला की निंदा करता है।

नाइजीरिया में इबोला: पहला मामला आया सामने, अफ्रीका के तीन देशों तक फैला संक्रमण

अबुजा। अफ्रीका के नाइजीरिया में इबोला संक्रमित मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। राजधानी अबुजा में इबोला संक्रमण बीमारी के पहले मामले की पुष्टि की गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युगांडा से यात्रा करके लौटी एक महिला संक्रमित थी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मरीज के संपर्क में आए 44 लोगों की पहचान कर उनकी निगरानी शुरू कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, यह मामला इबोला के बुंदीबुग्यो वायरस से जुड़ा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में 15 मई को इस प्रकोप की घोषणा के बाद नाइजीरिया पांचवां देश बन गया है, जहां इस वायरस का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, महिला में सात अक्टूबर को संक्रमण के लक्षण दिखाई देने लगे थे। इसके बाद उसे 11 अक्टूबर को अबुजा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 20 अक्टूबर को प्रयोगशाला जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई। फिलहाल महिला को आइसोलेशन में रखकर उपचार दिया जा रहा है। युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि महिला वहां केवल कुछ समय के लिए रुकी थी और वह डीआर कांगो के पूर्वी हिस्से में कारोबारी यात्रा पर गई थी। संक्रमण कांड हुआ, इसकी जांच जारी है। युगांडा ने कहा है कि फिलहाल उसके यहां इबोला का कोई सक्रिय पुष्ट मामला नहीं है। इस बीच, केन्या में भी संक्रमण के मामले बढ़कर नौ हो गए हैं। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) के महानिदेशक जीन कासेया ने मौजूदा स्थिति को गंभीर बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की है। कांगो में इस प्रकोप के कारण हजारों लोगों की मौत हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने दूसरा पैर भी गंवाया: आरोपी को जमानत नहीं, राजनीतिक माहौल पर पुलिस ने जताई चिंता

» मेलबर्न,एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेन्स की जान बचाने के लिए उनका दूसरा पैर भी काटना पड़ा। हेन्स के पति फिल ने इसकी जानकारी दी। वहीं पुलिस ने देश में बदलते राजनीतिक माहौल को लेकर फिक्र जाहिर की है। उनके पति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका हेल्थ अपडेट दिया। उन्होंने कहा, हेलेन के दूसरे पैर को काटना पड़ा, लेकिन अच्छी खबर यह है कि वह जीवित और स्थिर हैं। उन्होंने आगे कहा, सोमवार को जो हुआ वह एक भयानक घटना थी, और इसके कारण हेलेन को गंभीर चोट आई। इसके परिणामस्वरूप, सोमवार को हेलेन का बायां पैर काटना पड़ा। हमें उम्मीद थी कि उसका दायां पैर बच जाएगा, लेकिन



फिर आज (बुधवार) सर्जनों को उनका दायां पैर भी हटाना पड़ा। फिल ने कहा कि उनके परिवार के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह जीवित है और उसकी हालत स्थिर है। द सिडनी मॉनिंग हेराल्ड के अनुसार, हमले के आरोपी ब्रेंडन न्यूजन को अदालत से जमानत नहीं मिली। इस

घटना के बाद देश में राजनीतिक माहौल में बढ़ती कटुता और जनप्रतिनिधियों को मिल रही धमकियों पर चिंता जताई जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस की आयुक्त क्रिसी बैरेट ने देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को हतनावपूर्ण और विस्फोटक बताते हुए कहा कि

सांसदों को धमकियां मिलने की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि सांसदों को धमकाने के आरोप में औसतन हर सप्ताह एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। 43 वर्षीय आरोपी ब्रेंडन न्यूजन बुधवार को विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुआ। उस पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर गंभीर चोट पहुंचाने, जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने और एक पदाधिकारी को नुकसान पहुंचाने से संबंधित संघीय अपराध के आरोप हैं। उस पर भाग रखने से संबंधित आरोप भी लगाया गया है। आरोपी ने जमानत के लिए आवेदन नहीं किया और हिरासत में रहेगा। यह घटना सोमवार को विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा में हेलेन हेन्स के निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय के बाहर हुई थी।

भारत में विरोध प्रदर्शन पर यूएन की राय से अमेरिका नहीं रखता इतेफाक, रूबियो बोले – ये इस देश का आंतरिक मामला

» सुबई,एजेंसी।

भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत में विपक्ष और छात्रों के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने इसे भारत का आंतरिक मामला बताया। अमेरिकी मीडिया से बातचीत में रूबियो ने अपनी राय व्यक्त की। फॉक्स न्यूज ने बुधवार को इसको प्रसारित किया। जहां उन्होंने यूएन एक्सपर्ट्स पर तंज कसा और भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था की तारीफ की। भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और उस पर यूएन एक्सपर्ट्स की आलोचना को लेकर पूछे गए सवाल पर रूबियो ने हंसते हुए कहा, यूएन एक्सपर्ट्स मेरे फेवरेट हैं।

यूएन एक्सपर्ट्स खुद में ही एक विरोधाभास है। उन्होंने भारत में चल रहे आंदोलन को आंतरिक मामला बताते हुए आगे कहा, यह एक घरेलू राजनीतिक मामला है। मैं उनकी राजनीति में शामिल नहीं होने वाला। यहां लोकतंत्र में चुनाव होते हैं। मैं उनके घरेलू राजनीतिक मामलों



पर टिप्पणी नहीं करूंगा। ऐसे तो हमारे यहां अमेरिका में हर दिन विरोध प्रदर्शन होते हैं। रूबियो ने कहा कि विरोध प्रदर्शन और दंगों में फर्क होता है। बोले, मैं दंगों की बात नहीं कर रहा, जैसे

आप यूरोप में देख रहे हैं जहां तोइफोड़ हो रही है, इमारतों में घुसा जा रहा है और उन्हें जलाया जा रहा है। कई मायनों में लोगों का बाहर निकलकर अपनी बात रखना इस बात का संकेत है कि वह एक ऐसा देश है जहां राजनीतिक चर्चा होती है और मतभेद होते हैं।

उन्होंने क्यूबा का उदाहरण देते हुए कहा, जैसे आपने कहा कि यहां विपक्ष है, उदाहरण के लिए क्यूबा में ऐसा कोई विपक्ष नहीं है जो जेल गए बिना या दमन और निर्वासन झेले बिना बाहर निकलकर कुछ कर सके।

हम आंतरिक राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करेंगे; यह भारत के लोगों को तय करना है। अमेरिकी विदेश मंत्री मंगलवार को मुंबई पत्नी जेनेट के साथ पहुंचे थे। तय शेड्यूल के अनुसार उनकी साथ को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात हुई।

दोनों ने रक्षा से लेकर ऊर्जा सुरक्षा को लेकर गहन विमर्श किया। बाद में रूबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए माना कि भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द हो जाएगी।

इलिनोइस हिंदू मंदिर पर हमले की कोशिश, 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई जांच की मांग की

» वाशिंगटन,एजेंसी।

अमेरिका के इलिनोइस में एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की कोशिश के मामले में 105 अमेरिकी लॉ मेकर्स ने एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) से जांच को मांग की है। लॉ मेकर्स ने इसे संभावित संघीय हेट क्राइम के तौर पर जांच करने को कहा है और भारतीय-अमेरिकी तथा अन्य दक्षिण एशियाई समुदायों के खिलाफ बढ़ते खतरों को लेकर चेतावनी दी है। इस द्विदलीय अपील की अनुवाई भारतीय-अमेरिकी लॉ मेकर्स राजा कृष्णमूर्ति ने की, जो 11 अक्टूबर को जब हमले की कोशिश हुई तब अपने परिवार के साथ ऑरोरा के श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर में पूजा कर रहे थे। मंगलवार को एफबीआई निदेशक काश पटेल को लिखे पत्र में लॉ मेकर्स ने इस घटना की व्यापक जांच की मांग की, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या आरोपी ने नस्लीय और धार्मिक नफरत के कारण यह कदम उठाया और क्या दूसरों ने

कथित हमले की योजना बनाने या उसे बढ़ावा देने में मदद की। हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस के सभी भारतीय-अमेरिकी सदस्य, इलिनोइस हाउस का पूरा डेमोक्रेटिक प्रतिनिधिमंडल और सीनेटर डिक डरबिन, टैमी डकवर्थ, एंडी किम और क्रिस वैन हॉलिन शामिल हैं। अभियोजकों के अनुसार, 19 साल के एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस, जो इलिनोइस के पैलेटाइन का रहने वाला है, गोलीबारी करने के इरादे से मंदिर गया था, लेकिन राइफल में खराबी के बाद भाग गया। अधिकारियों ने बताया कि उसी दिन एक सहकर्मी ने पुलिस को उसकी वापस लौटने की कथित योजना के बारे में बताया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अभियोजकों का आरोप है कि खुद को नव-नाजी बताते वाले पापोराकिस ने हिंदू पूजा स्थल पर भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ काश घटना का वर्णन करते हुए आठ पन्नों का स्वेत वर्चस्ववादी घोषणापत्र तैयार किया था। कांग्रेसी पत्र के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एक राइफल, सैकड़ों गोलियां, बाँड़ी आर्मर और स्वेत वर्चस्ववादी तस्वीरें



बरामद की हैं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और हथियारों के अवैध कब्जे का आरोप लगाया गया है। अदालत में अभी आरोप साबित नहीं हुए हैं। लॉ मेकर्स ने लिखा, लक्षित नस्लीय नफरत, धार्मिक स्थल और सामूहिक हिंसा की तैयारी का यह कथित मेल एक व्यापक संघीय प्रतिक्रिया की मांग करता है। उन्होंने स्थानीय जांचकर्ताओं को एफबीआई की मदद को आठ पन्नों का स्वेत वर्चस्ववादी घोषणापत्र तैयार किया था। कांग्रेसी पत्र के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एक राइफल, सैकड़ों गोलियां, बाँड़ी आर्मर और स्वेत वर्चस्ववादी तस्वीरें

सितंबर 2026 के अध्ययन का हवाला देते हुए लॉ मेकर्स ने कहा कि जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 5,42,000 से ज्यादा दक्षिण एशियाई विरोधी नफरत भरे पोस्ट आए। अध्ययन में पाया गया कि ऐसे पोस्ट की मासिक संख्या जनवरी 2024 से जून 2026 के बीच लगभग 240 प्रतिशत बढ़ गई। कांग्रेसी एंडोमेंट के एक अलग सर्वे में पाया गया कि 48 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी उतरखताओं ने 2025 की शुरुआत से अपने समुदाय को निशाना बनाते हुए नस्लवादी ऑनलाइन पोस्ट अक्सर देखे हैं। लॉ मेकर्स ने संघीय एजेंसियों के सोशल मीडिया सदस्यों को भी आलोचना की, जो उनके अनुसार नस्लीय और धार्मिक रूढ़ियों को बढ़ावा देने की कोखिम रखते हैं। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सितंबर की एक पोस्ट का जिक्र किया, जिसमें एक सिख व्यक्ति की तस्वीर के साथ लिखा था, हमारी सड़कों से उतर जाओ, तुम्हें गाड़ी चालना नहीं आता मिस्टर सिंह। आलोचना के बाद पोस्ट हटा दी गई, जबकि

डीएचएस ने कहा कि यह एक घातक सड़क दुर्घटना के आरोपी एक विशेष व्यक्ति के बारे में थी। लॉ मेकर्स ने टेक्सास विश्वविद्यालय के फुटबॉल खेल में दक्षिण एशियाई दर्शकों के बारे में शिकायतों के बाद शिक्षा विभाग की एक पोस्ट का भी जिक्र किया। पत्र में कहा गया, हम मानते हैं कि इस तरह के संदेश नस्लीय और धार्मिक रूढ़ियों को सरकारी वैधता देने का जोखिम रखते हैं। लॉ मेकर्स ने एफबीआई से पूछा कि क्या जांचकर्ता ऑरोरा सांजिश से जुड़े ऑनलाइन संचार की जांच कर रहे हैं, जिसमें अन्य लोगों की संभावित मदद भी शामिल है। उन्होंने संभावित रूप से लक्षित पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय खतरों की पहचान करने, स्थानीय अधिकारियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने और उनकी रक्षा करने की एजेंसी को क्षमता के बारे में भी जानकारी मांगी। पत्र में 29 अक्टूबर तक लिखित जवाब मांगा गया है, जिसमें इस बात का विवरण भी शामिल है कि क्या जांच नस्लीय और धार्मिक दोनों तरह के पक्षपात की जांच कर रही है।

दक्षिण कोरिया: राष्ट्रपति ली ने पुलिस सुधार में तेजी लाने का किया आह्वान, जांच की स्वतंत्र समीक्षा पर दिया जोर

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने पुलिस व्यवस्था में सुधार का आह्वान किया है। उन्होंने पुलिस से कार्यप्रणाली में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए बड़े और सख्त सुधार लागू करने को कहा है। राष्ट्रपति ने जांच में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र समीक्षा प्रणाली बनाने पर भी जोर दिया। समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, राष्ट्रपति ली ने बुधवार को सोल में 81वें पुलिस दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस को अपनी कमियों का निष्पक्ष आकलन करना चाहिए और गलत परंपराओं तथा व्यवस्थागत खामियों को निहट होकर दूर करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा, जनता ने पुलिस को जांच करने का महत्वपूर्ण अधिकार सौंपा है। इस अधिकार का इस्तेमाल कानून और सिद्धांतों के अनुरूप निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए। साथ ही, जांच प्रक्रिया और उसके परिणामों के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय की जानी चाहिए। ली ने कहा कि पुलिस जांच के बावरी दबाव से मुक्त रखा जाना चाहिए, लेकिन उसकी प्रक्रिया और परिणामों की कड़ी समीक्षा भी होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने पुलिस जांच की स्वतंत्र निगरानी करने वाली विशेष व्यवस्था बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की आलोचना से बचने के बजाय अपनी कमियों को स्वीकार करे और उन्हें तत्काल दूर करे। राष्ट्रपति के अनुसार, पुलिस पर लोगों का भरोसा तभी मजबूत होगा, जब वे उसकी कार्यप्रणाली में वास्तविक बदलाव देख सकेंगे। दक्षिण कोरिया में पुलिस सुधार की मांग ऐसे समय तेज हुई है, जब हाल में हुई हिंसक घटनाओं ने सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। इनमें इंचियोन में पिछले सप्ताह अज्ञात लोगों को निशाना बनाकर किए गए चाकू से हमले और एक व्यक्ति द्वारा अपनी सास की हत्या की घटना शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा, पुलिस को यह गंभीरता से समझना चाहिए कि उस पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ रहा है और उसकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। केवल बयान देने से जनता का विश्वास बहाल नहीं होगा।

सार समाचार

आरा में पुरानी रंजिश: विजयादशमी की रात होमगार्ड के बेटे को मारी गोली

आरा। बिहार के आरा शहर मेंनवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग इलाके में डीके कार्मेल स्कूल के समीप विजयादशमी की रात हथियारबंद बदमाशों ने होमगार्ड के बेटे को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग वार्ड संख्या-13 निवासी होमगार्ड संजय यादव के 33 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार यादव के रूप में हुई है। घायल युवक नगर निगम में गाड़ी चलाने का काम करता है। घटना के संबंध में घायल अमरजीत कुमार ने बताया कि बीते 2 मार्च 2026 को बिहिया थाना क्षेत्र के झौआ गांवा निवासी व. शत्रुघ्न सिंह के 17 वर्षीय पुत्र आदर्श कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस चर्चित हत्याकांड में अमरजीत और उसके दोनो भाइयों नवनीत यादव उर्फ लोहा यादव एवं मंजीत यादव को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इस मामले में उसका भाई लोहा यादव फिलहाल जेल में बंद है। अमरजीत ने बताया कि आदर्श की हत्या से उनका कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाया गया। उसने बताया कि उस हत्याकांड के बाद से ही उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। मंगलवार की रात वह अपनी बाइक से घर से खाना खाने के लिए एक होटल जा रहा था। इसी दौरान डीके कार्मेल स्कूल के पास एक स्पलेंडर बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उस पर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली उसके सिर के पास से गुजर गई, जबकि दूसरी गोली उसके दाहिने कंधे के पास जा लगी। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ-1 सुशील कुमार तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे और घायल युवक से मिलकर पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। एसडीपीओ ने बताया कि मंगलवार की रात अमरजीत नामक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल युवक ने पुलिस को बताया है कि होली के समय हुई एक हत्या के प्रतिशोध में उस पर यह हमला किया गया है। घायल द्वारा दो संदिग्धों के नाम बताए गए हैं। पुलिस की विशेष टीम आरोपियों की घरपकड़ के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

पंजाब: मानसा के एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड में सीबीआई ने शुरू की जांच

नई दिल्ली/चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच शुरू कर दी है। एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथों में ले ली और आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। सीबीआई से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (साइकोट्रॉपिक पदार्थ) के मिस्ट्री की दुकानों पर खुलेआम कैसे बेचे जा रहे थे। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई जांच के दौरान मानसा में पंजाब पुलिस से मामले से जुड़े दस्तावेज अपने कब्जे में लेगी। साथ ही, भ्रष्टाचार-रोधी जांच एजेंसी, केमिस्ट अश्विनी कुमार और अन्य लोगों की हिरासत की मांग कर सकती है। 13 अक्टूबर को पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले परविंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता, ग्रेनेड और हथियारों के साथ 7 तस्कर गिरफ्तार

» **अमृतसर,एजेंसी।**

पंजाब पुलिस ने नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पंजाब के डीजीपी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 हैंड ग्रेनेड, 2 पिस्तौल और 3.491 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पंजाब में नशा और हथियारों की सप्लाई कर रहा था। इस मामले में थाना चटौविंड और लोपोके में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क का पदाफाश करने और

असम में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने बलिदान दिया, उग्रवाद खात्मे के करीब: हिमंत

» **गुवाहाटी,एजेंसी।**

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि पुलिसकर्मियों के बलिदान से राज्य में शांति स्थापित करने में मदद मिली है, उग्रवाद लगभग खत्म होने के स्तर पर है और अपराधों में भी तेजी से कमी आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल में असम में ड्यूटी के दौरान छह पुलिसकर्मियों की मौत हुई है।

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा, हम हर हाल में इस शांति की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, असम की जनता की ओर से मैंने स्वतंत्रता के बाद से मातृभूमि असम के लिए



अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले असम पुलिस के 900 से अधिक जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए

पुष्पचक्र अर्पित किया। उनके साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण को कभी नहीं भुलाया जाएगा। राज्य

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी, उनके सर्वोच्च बलिदान की सराहना की



» **चेन्नई,एजेंसी।**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को पुलिस के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और शांति व कानून-व्यवस्था कायम रखने के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान की सराहना की। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर

मुख्यमंत्री ने यहां पुलिस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु सरकार की वेतन पैकेज योजना के तहत सात पुलिसकर्मियों के परिवारों को कुल 5.96 करोड़ रुपये के व्यक्तिगत तुर्घटना बीमा मंजूरी से जुड़े आदेश की प्रति सौंपी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार,

इसमें ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले छह पुलिसकर्मियों के परिवारों और कोमा में गए एक पुलिसकर्मी के लिए सुआवजा शामिल है। बयान में कहा गया कि इस साल पूरे भारत में कुल 154 पुलिसकर्मी और अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुए, जिनमें तमिलनाडु पुलिस के छह जवान भी शामिल हैं।

नशा-विरोधी कार्यकर्ता झोटा की हत्या की जांच के लिए सीबीआई की टीम पंजाब के मानसा पहुंची

» **चंडीगढ़,एजेंसी।**

नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या की जांच के लिए केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम बुधवार को आप शासित पंजाब के मानसा शहर पहुंची। बताया जा रहा है कि यह टीम मंगलवार देर रात पहुंची और पुलिस से मामले से जुड़े दस्तावेज लिए, जिसके साथ ही केन्द्रीय एजेंसी की जांच शुरू हो गई है। पीड़ित का परिवार बुधवार को मानसा सफ़ीत हाउस पहुंचेगा, जहां वरिष्ठ डीआईजी के नेतृत्व में सीबीआई की टीम उनसे पूछताछ करेगी। फ़ोरेंसिक विशेषज्ञ, ड्रग कंट्रोलर और अन्य विशेषज्ञ जल्द ही मानसा पहुंच रहे हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब परविंदर सिंह झोटा के परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच की लगातार मांग की थी, जिसके बाद पंजाब सरकार ने इस केस को सीबीआई



को सौंपने का फैसला किया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी मंगलवार को मानसा में पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें पूरी जांच का भरोसा दिलाया। 13 अक्टूबर को मानसा में एक मेडिकल स्टोर के अंदर झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह नशीले पदार्थों की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ

आवाज उठाने के लिए जाने जाते थे। आरोपी अश्वनी कुमार को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने स्थानीय पुलिस से इस मामले के रिकॉर्ड अपने हाथ में ले लिए हैं। उम्मीद है कि सीबीआई हत्या से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करेगी और अब तक जुटाए गए सबूतों का परीक्षण करेगी। बुधवार

को झोटा के परिवार के साथ एक बैठक भी होनी थी। परिवार और उनके समर्थक न्याय की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि इस मामले की पूरी जांच हो। मामले के सीबीआई को सौंप जाने से यह उम्मीद जगी है कि हत्या के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। मंगलवार को गृह मंत्री शाह ने पंजाब के गुरदासपुर, संगरूर और मानसा में उन तीन पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की, जिनकी हत्या नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाने के बाद कर दी गई थी। उन्होंने परिवारों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इन मुलाकातों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और तीनों मामलों में सीबीआई जांच का वादा किया। दोपहर 3:30 बजे गृह मंत्री अमित शाह मानसा पहुंचे और झोटा के परिवार से मुलाकात की।

कुल्लू में शुरु हुआ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव, 347 देवी-देवताओं को दिया गया निमंत्रण

» **कुल्लू,एजेंसी।**

हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा बुधवार से शुरू हो गया है। इस साल यह भव्य उत्सव 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। यह उत्सव विजयादशमी के दिन से शुरू होकर पूरे 7 दिनों तक चलता है। इस उत्सव की सबसे बड़ी खासियत इसकी शुरुआत है। इसकी शुरुआत भगवान श्री रघुनाथ जी की भव्य रथयात्रा और सैकड़ों देवी-देवताओं के मिलन से होती है। यह देश के अन्य दशहरा उत्सवों से बिल्कुल अलग है क्योंकि यहां रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले नहीं जलाए जाते। कुल्लू दशहरा उत्सव के लिए भगवान



रघुनाथ के मंदिर में शीश नवाने के लिए बुधवार सुबह से ही देवी-देवताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। भगवान रघुनाथ के कारदार दानवेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार कुल 347 देवी-देवताओं को निमंत्रण दिया गया है। इसे देवताओं का महाकुंभ भी कहा जाता है। बुधवार सुबह से ही देवी-देवता भगवान रघुनाथ के मंदिर में

एक जांच के दौरान सफेद रंग की एक कार को रोका गया। पुलिस ने बताया कि यह वाहन मणिपुर से आइजोल जा रहा था, तभी इसे रोका गया।

पुलिस के अनुसार, वाहन की तलाशी लेने पर साबुन के 100 डिब्बे मिले, जिनमें 1.45 किलोग्राम हेरोइन थी और इसकी कीमत लगभग 2.91 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसकी पहचान मणिपुर के कांगपोकपी जिले के थांगमिनलुन बेटे के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है कि ये मादक पदार्थ कहाँ ले जाया जा रहा था।

नमक्कल में दशहरा उत्सव की धूम, किन्नर समुदाय के लोगों ने देवी काली का रूप धारण कर पूरी कीं मन्जतें

» **नमक्कल (तमिलनाडु),एजेंसी**

तमिलनाडु के नमक्कल जिले में परमथी वेलूर के पास स्थित अरुनागिरी सुल्लीपालयम में दशहरा उत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। यहां स्थित श्री विश्वशक्ति अर्धनारी निरंतर अघोरी सिद्ध पीटम में आयोजित उत्सव में किन्नर समुदाय के लोगों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उत्सव की शुरुआत बुधवार, 7 अक्टूबर की रात को ग्रामशांति अनुष्ठानों के साथ हुई। इस धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य गांव की शुद्धि और उत्सव के निर्विघ्न आयोजन के लिए प्रार्थना करना था। इसके बाद 10 अक्टूबर को कावेरी नदी से पवित्र जल से भरा तीर्थकुंडम लाया गया। इस अनुष्ठान के साथ ही श्रद्धालुओं ने उपवास शुरू किया और विशेष धार्मिक मालाएं धारण कर देवी की आराधना



की। 11 से 19 अक्टूबर तक मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों और शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। इस दौरान देवी काली का वेश धारण किए श्रद्धालु शोभायात्राओं में शामिल हुए। भक्तों ने देवी की प्रतिमा के साथ यात्रा निकाली और पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि तथा मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। उत्सव के अंतिम दिन

जम्मू-कश्मीर: उधमपुर में बसंतगढ़-रामनगर मार्ग पर बस दुर्घटनाग्रस्त, करीब 10 यात्री घायल

» **उधमपुर,एजेंसी।**

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। इस घटना में करीब 10 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए रामनगर के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह बस पर्वोंड से रामनगर जा रही थी। इसी दौरान बसंतगढ़-रामनगर सड़क पर उधमपुर जिले के गुल्ली गाला में बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई, जिसमें दस से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के बाद केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी उधमपुर के डीसी अनंत द्विवेदी से बात की है और पीड़ित को हर संभव मदद देने को कहा है। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बसंतगढ़-रामनगर सड़क पर बस दुर्घटना की खबर मिलने के बाद मैंने उधमपुर के डीसी अनंत द्विवेदी से बात की। स्थानीय लोगों की समय पर



मदद से सभी यात्रियों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया। इस बीच, बचाव दल मौके पर पहुंच गया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 9-10 घायल यात्रियों को रामनगर के उप-जिला अस्पताल ले जाया जा रहा है। अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है। हर संभव मदद दी जा रही है। मेरा कार्यालय प्रशासन के लगातार संपर्क में है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सड़क हादसे में कम से कम चार लोग घायल हो गए। पिछले सप्ताह जिले के भल्ला इलाके में शेनाई के पास यह हादसा हुआ। बताया गया कि एक मिनी-बस

डोडा से भद्रवाह जा रही थी। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिलों (जैसे रामनर, डोडा, किश्तवाड़, उधमपुर और बड़गाम के कुछ हिस्सों) में सड़क हादसे मुश्किल भौगोलिक स्थिति, खराब मौसम और मानवीय वा बुनियादी ढांचे से जुड़ी वजहों से होते हैं। खतरनाक इलाके, खराब सड़क बनावट, संकरी सड़कें, तीखे मोड़, खड़ी ढलान और कम दृश्यता के कारण पहाड़ी हादवे और लिंक रोड पर गाड़ी चलाना मुश्किल हो जाता है।

बिहार: मोतिहारी के साई बाबा मंदिर से भगवान गणेश का मुकुट चुरा ले गए चोर, पुलिस गश्ती दल निलंबित

मोतिहारी,एजेंसी।

नवरात्र के दौरान जहां पूरा बिहार प्रदेश भक्ति और आस्था के रंग में डूबा रहा, वहीं विजयादशमी की रात पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में अज्ञात चोरों ने एक मंदिर को निशाना बनाया। नगर थाना क्षेत्र के मिस्कॉट मोहल्ला स्थित साई बाबा मंदिर का ताला काटकर चोर अंदर घुसे और भगवान गणेश जी का करीब 100 ग्राम वजनी मुकुट चुरा ले गए। घटना के समय पुजारी मंदिर परिसर में ही सो रहे थे, लेकिन उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी। जानकारी के अनुसार, चोर मंगलवार की देर रात मंदिर के मुख्य दरवाजे का ताला काटकर अंदर दाखिल हुए थे। सुबह जब पुजारी की नींद खुली और उन्होंने मंदिर में पूजा की तैयारी के दौरान सामान की जांच की, तब चोरी का पता चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डायल 112 पर कॉल किए जाने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस संबंध में नगर थाने में लिखित शिकायत भी दी गई है। शिकायत के अनुसार, साई बाबा का बांदी का छत्र, दान दीदी और चरण पादुका सुरक्षित हैं। मंदिर से भगवान गणेश जी का लगभग 100 ग्राम वजनी मुकुट चोरी हुई है। चोरी के दौरान चोर अपना औजार मंदिर में ही छोड़कर भाग गए। पुलिस ने औजार जब्त कर लिया है। जांच में यह औजार महत्वपूर्ण सुरांग साबित हो सकता है। मंदिर में लगा सीसीटीवी कैमरा करीब डेढ़ महीने से खराब बताया जा रहा है। ऐसे में पुलिस आसपास के मकानों और प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने गश्ती पार्टी के सहायक पुलिस निरीक्षक अजीत सिंह के नेतृत्व वाली गश्ती टीम और बाइक गश्ती पार्टी को निलंबित कर दिया है। पुलिस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए डॉण स्क्वाड और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम भेजी जा रही है।

संक्षिप्त

समाचार

चयनकर्ताओं पर शमी का करारा तंज!: बोले- टीम में नहीं हूं, तो मुझसे कौन बात करेगा!

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने साफ कर दिया है कि टीम इंडिया में वापसी की उनकी उम्मीद अभी खत्म नहीं हुई है। 36 वर्षीय शमी का कहना है कि वह आज भी अपनी फिटनेस के चरम पर है और देश के लिए खेलने का उनका जुनून पहले जैसा ही है। न्यूजीलैंड दौरे के लिए हाल ही में घोषित भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने के बावजूद शमी घरेलू क्रिकेट के जरिए अपनी लय और फिटनेस बरकरार रखने में जुटे हैं। शमी ने रणजी ट्रॉफी में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल की जीत के बाद प्रेस वार्ता में कहा कि हर खिलाड़ी के जीवन में एक लक्ष्य होना चाहिए। जब तक वह क्रिकेट खेल रहे हैं, तब तक भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद बनाए रखेंगे। जब शमी से पूछा गया कि वह अपने



करियर में किस समय फिटनेस के चरम पर थे, तो उन्होंने सवाल को सुधारते हुए कहा कि वह आज भी अपनी फिटनेस के पीक पर हैं। शमी ने कहा, 'सर, आज भी हम पीक पर ही हैं। इसमें झूठ बोलने का कोई मतलब नहीं है। हम जैसे भी हैं, अपने पीक पर हैं।' शमी सर्विसेज के खिलाफ मुकाबले में परिस्थितियों को देखते हुए नहीं खेले, लेकिन बंगाल की टीम के साथ उनकी प्रतिबद्धता बरकरार है। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन नहीं होने पर शमी ने कहा कि इसे लेकर वह निराश नहीं हैं। उनका पूरा ध्यान ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने और आगामी सीरीज व टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार रखने पर है। उन्होंने कहा, 'यह निराशा की बात नहीं है। मैंने पिछले घरेलू सीजन में भी पूरे सीजन क्रिकेट खेला और सभी मैचों में हिस्सा लिया। मेरा मकसद वही है कि जितना हो सके, उतना खेलूं और आने वाली सीरीज व टूर्नामेंट के लिए तैयार रहूं।'

215 पर ढेर हुई इंग्लैंड की टीम: 91 तक नहीं गिरा था कोई विकेट

रावलपिंडी। पाकिस्तान के युवा ऑलराउंडर अराफात मिन्हास ने बल्ले और गेंद से ऐसा प्रदर्शन किया कि इंग्लैंड की टीम जीत की दहलीज से फिसलकर 87 रन से मुकाबला हार गई। रावलपिंडी में मंगलवार को त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में मिन्हास ने पहले 58 गेंदों में 59 रन की पारी खेली और फिर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर छह विकेट झटकें। उनकी बदौलत पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 302/9 का स्कोर बनाया और जवाब में इंग्लैंड को 215 रन पर समेट दिया। इस प्रदर्शन के साथ ही अराफात मिन्हास एक वनडे में अर्धशतक बनाने और छह विकेट लेने वाले पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। पाकिस्तान वनडे के करीब 53 साल के इतिहास में उनसे पहले ऐसा सिर्फ शाहिद अफरीदी ने किया है। अफरीदी ने साल 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में अर्धशतक लगाने के साथ-साथ 12 रन देकर सात विकेट भी झटक थे।

एशियाई पैरा गेम्स में सचिन ने किया कमाल, जीता स्वर्ण



आइची नागोया, एजेंसी। भारत के पैरा एथलीट सचिन सरजेराव खिलारी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को नागोया में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में सचिन ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंककर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उनके इस प्रदर्शन के साथ भारत ने स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 के रजत पदक विजेता सचिन ने एशियाई पैरा गेम्स में अपना पिछला स्वर्ण भी बरकरार रखा। उन्होंने चीन में हुए पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था। इस बार उन्होंने 15.67 मीटर के पुराने गेम्स रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 15.87 मीटर का नया रिकॉर्ड कायम किया। भारत के मोहम्मद यासिर ने तीसरे प्रयास में 15.06 मीटर का धो करके रजत पदक जीता, जबकि परवीन 14.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह पोडियम के तीनों स्थान भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे।

सचिन खिलारी का स्वर्ण पदक जीतने वाला प्रदर्शन खास रहा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 15.87 मीटर दूर गोला फेंका और प्रतियोगिता का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले गेम्स रिकॉर्ड 15.67 मीटर था। सचिन ने दबाव के बीच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार एशियाई पैरा गेम्स में इस स्पर्धा का स्वर्ण जीतने में सफल रहे। यासिर और परवीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की ऐतिहासिक सफलता पूरी की। महाराष्ट्र के सांगली जिले के करगनी गांव में 23 अक्टूबर 1989 को जन्मे सचिन खिलारी का जीवन नौ साल की उम्र में हुए एक साइकिल हादसे के बाद बदल गया था। इस हादसे के कारण उनके बाएं हाथ की मांसपेशियों को स्थायी नुकसान पहुंचा और हाथ की गतिविधियां सीमित हो गईं। हालांकि, सचिन ने इन चुनौतियों को अपने खेल के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। उन्होंने शुरुआत में भाला फेंक में हिस्सा लिया, लेकिन कंधे की चोट के बाद शॉटपुट को अपना मुख्य खेल बना लिया। लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई।

दो बार के विश्व चैंपियन

सचिन खिलारी ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की एफ46 शॉटपुट स्पर्धा में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड श्रे के साथ रजत पदक जीता था। वह 2023 और 2024 में लगातार दो विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीत चुके हैं। अब एशियाई पैरा गेम्स में स्वर्ण और गेम्स रिकॉर्ड के साथ उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। सचिन कोच सत्यनारायण के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं।

परीक्षाओं के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया

सचिन खिलारी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। खेल के अलावा वह अतिथि शिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) तथा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मदद कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने वाले सचिन की कहानी संघर्ष, अनुशासन और लगातार बेहतर करने की कोशिश का उदाहरण है।

भारत vs न्यूजीलैंड सीरीज

वैभव को अभी करना होगा इंतजार!

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत की टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर साफ किया है कि उन्हें फिलहाल प्लेइंग-11 में सीधे जगह नहीं मिल सकती। अय्यर के मुताबिक, शीर्ष क्रम में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में सूर्यवंशी को अपने मौके का इंतजार करना होगा। हालांकि, कप्तान ने भरोसा दिलाया कि इस युवा खिलाड़ी को आगे अवसर मिलेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज से पहले बुधवार को क्राइस्टचर्च में अय्यर ने कहा कि सूर्यवंशी को टीम के माहौल में खुश रहना चाहिए और अपने अवसरों के लिए धैर्य रखना चाहिए।

अय्यर ने कहा, 'सूर्यवंशी जैसी प्रतिभा के लिए जरूरी है कि वह ड्रेसिंग रूम में हमेशा खुश रहे। वह अभी बहुत युवा है और उसके पास मौके हासिल करने के लिए कई साल हैं। ऐसा नहीं है कि वह अभी सीधे प्लेइंग-11 में आ सकता है, क्योंकि हमारे सलामी बल्लेबाज लगातार रन बना रहे हैं और उन्होंने विश्व कप भी जीताया है।' इस साल इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए चुने जाने के बाद से सूर्यवंशी भारत के 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से आठ में ही खेले हैं। इसकी प्रमुख वजह अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का शीर्ष क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना है। दोनों ने इस साल भारत को टी20 विश्व कप का खिताब बचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी।



● अय्यर बोले- अभी सीधे प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना सकते सूर्यवंशी'

एशियाई खेलों में तीसरे नंबर पर उतरे थे सैमसन

एशियाई खेलों में सूर्यवंशी को सलामी बल्लेबाज के तौर पर मौका देने के लिए संजू सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। इससे युवा बल्लेबाज को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला। हालांकि, अय्यर का मानना है कि सूर्यवंशी को विदेशी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव मिलना भी उनके लिए फायदेमंद होगा। इससे वह भविष्य में इन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो सकेंगे।

विदेशी परिस्थितियों का अनुभव आगगा काम

अय्यर ने कहा, 'जब वह विदेश में खेलेंगे, तो उन्हें इन पिचों पर बल्लेबाजी करने के तरीके का अच्छा अंदाजा मिलेगा। अगली बार जब वह ऐसी परिस्थितियों में आएंगे, तो वह बेहतर तरीके से तैयार होंगे। वह यहां पहली बार आने वाले दूसरे खिलाड़ियों को भी बता सकेंगे कि इन परिस्थितियों में कैसे खेलना है।' भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज से सूर्यवंशी को विदेशी परिस्थितियों में अनुभव हासिल करने का अवसर मिल सकता है।

15 साल के बल्लेबाज को रोकने के लिए न्यूजीलैंड ने बनाया प्लान

वेलिंगटन, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक अंदाज से दुनिया भर के गेंदबाजों का ध्यान खींचा है। अब न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी माना है कि अगर इस युवा बल्लेबाज को भारत की प्लेइंग-11 में मौका मिलता है, तो उसे रोकना आसान नहीं होगा। हालांकि, पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले मेजबान कप्तान ने साफ किया कि उनकी टीम ने वैभव के खेल को अच्छे से देखा है और उन्हें रोकने के लिए कुछ खास योजनाएं तैयार की हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद से सीमित मौके मिले हैं। नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में भी वह नहीं खेले थे।

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी कहा है कि वैभव को अपने मौके के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बावजूद सैंटनर ने वैभव की प्रतिभा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकता है। सैंटनर ने सीरीज से पहले कहा, 'वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में देखा है। अभिषेक जैसे दूसरे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव की भारत के लिए बड़ी भूमिका होगी, चाहे वह इस सीरीज में हो या भविष्य में।'

न्यूजीलैंड के कप्तान ने आगे कहा, 'अगर उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका मिलता है, तो हमने देखा है कि वह क्या कर सकते हैं। उन्हें रोकना काफी मुश्किल रहा है। हमने इंग्लैंड में देखा कि भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजों ने छोटी और तेज गेंदों का इस्तेमाल किया। आईपीएल में भी उनका आक्रामक अंदाज देखा है। अगर वह खेलते हैं, तो उन्हें रोकने के लिए हमारे पास कुछ योजनाएं हैं।'

फ्रेंच ओपन: अस्मिता और तन्वी अगले दौर में, सात्विक-चिराग बाहर

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अस्मिता चालिहा और तन्वी शर्मा ने मंगलवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबलों में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड़ी को हार का सामना करना पड़ा और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-13 से हराया। एक घंटे से अधिक समय तक



चले मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक गेम में फ्रांसीसी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। महिला एकल में अस्मिता चालिहा ने चीन की हैन कियान शी को 21-18, 24-22 से हराया। 39 मिनट तक चले मुकाबले में अस्मिता ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

वहीं, युवा भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने अपनी हमवतन ईशारानी बरुआ को 21-12, 21-12 से शिकस्त दी। तन्वी ने महज 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर महिला एकल के राउंड

ऑफ 16 में जगह बना ली।

त्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी हारी

महिला युगल में भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे की लिन चिह-चुन और यांग चू युन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 21-17, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस तरह फ्रेंच ओपन में मंगलवार का दिन भारतीय महिला एकल खिलाड़ियों के लिए अच्छा रहा, जबकि पुरुष युगल और महिला युगल में भारतीय जोड़ियों को निराशा हाथ लगी।

बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रचा कीर्तिमान, सचिन को बताया आदर्श



म्केबेहरा। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ऐसी पारी खेली, जिसने उन्हें क्रिकेट इतिहास में खास जगह दिला दी। म्केबेहरा के सेंट जॉर्ज पार्क में मंगलवार को बावुमा ने 334 गेंदों पर 179 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका को मुश्किल परिस्थिति से निकालकर मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी इस पारी के साथ ही भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का 28 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। साथ ही उन्होंने 76 साल पुराने एक रिकॉर्ड की बराबरी भी की। दिलचस्प बात यह है कि बावुमा ने अपनी बल्लेबाजी तकनीक पर बात करते हुए महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अपना आदर्श बताया। बावुमा की पारी ऐसे समय आई, जब दक्षिण अफ्रीका की टीम बारिश के कारण लंबे व्यवधान के बाद बल्लेबाजी करने उतरी और स्कोट बोलैंड ने शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। मेजबान टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाज केवल 17 रन जोड़ सके। ऐसे में

कप्तान ने जिम्मेदारी संभाली और अहम सझेदारियां करके टीम को संकट से बाहर निकाला। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी नौ विकेट पर 425 रन बनाकर घोषित की। अजहरुद्दीन का 28 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा बावुमा ने 36 साल और 154 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर 150 या उससे अधिक रन बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम थी, जिन्होंने 1998 में कोलकाता में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 163 रन बनाए थे। उस समय अजहरुद्दीन की उम्र 35 साल और 38 दिन थी। इस सूची में इंग्लैंड के वॉली हैमंड 240 रन, माइक डेनेस 188 रन और एंड्रयू स्ट्रॉस 161 रन की पारियों के साथ शामिल हैं। हालांकि, बावुमा ने उम्र के मामले में इन सभी को पीछे छोड़ दिया।

सचिनकी तकनीक अपनाने की कोशिश करते हैं बावुमा

अपनी शानदार पारी के बाद बावुमा ने खुलासा किया कि वह लंबे समय से सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी तकनीक से प्रेरणा लेते रहे हैं। उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी शैली में कौन-सी बातें अपनाई हैं। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने कहा कि वह सचिन की तरह तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी करने की कोशिश करते हैं। बावुमा ने कहा, 'हां, मेरा प्रयास रहता है कि मेरी तकनीक सचिन तेंदुलकर जैसी हो। मैं कद-काठी में बहुत बड़ा खिलाड़ी नहीं हूँ, इसलिए मेरे लिए लंबे कदम लेना आसान नहीं है। मैं अपनी मूवमेंट को प्रभावी रखने की कोशिश करता हूँ। कभी-कभी इससे मैं मुश्किल में भी पड़ जाता हूँ, लेकिन आम तौर पर यही तरीका मेरे लिए काम करता है। मैं गेंद को अपने शरीर के जितना करीब हो सके, उतना करीब से खेलने की कोशिश करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि इससे मुझे सफलता मिलेगी। उनके इस बयान से स्पष्ट हुआ कि वह अपनी शारीरिक बनावट के अनुसार बल्लेबाजी तकनीक को ढालने पर जोर देते हैं। सचिन की तरह गेंद को शरीर के करीब खेलना और संतुलित मूवमेंट रखना उनकी रणनीति का अहम हिस्सा है।ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। शीर्ष तीन बल्लेबाज केवल 17 रन जोड़ सके। ऐसे समय में बावुमा ने एक छोर संभाले रखा और पहले रयान रिकेल्टन, फिर मार्को यानसन तथा साइमन हार्मर के साथ महत्वपूर्ण सझेदारियां कीं।

ब्रीफ न्यूज़

रेलवे ट्रैक पर मिला मिनी ट्रक चालक का शव

भोपाल। छेला मंदिर थाना क्षेत्र में पात्रा पुलिया के पास रेलवे ट्रैक पर मिनी ट्रक चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय दिनेश प्रजापति विधेश्वरी कॉलोनी, रासलखेड़ी निवासी मिनी ट्रक चालक था। उसके पिता की मौत हो चुकी है। परिवार में उसकी मां और छोटा भाई कल्लू हैं। दिनेश अविवाहित था। उसके एक भाई की भी पहले ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई थी। दिनेश रविवार शाम घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। बाद में रात करीब आठ बजे पुलिस को पात्रा पुलिया के पास रेलवे ट्रैक पर उसका शव मिला। तलाशी में पुलिस को उसका आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लिखी एक पत्ती मिली। इसके आधार पर मृतक की पहचान हो सकी। पुलिस का कहना है की फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि दिनेश ने आत्महत्या क्यों की। मर्ग कायम कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

युवक के गले से चेन झपटने वालों की तलाश जारी

भोपाल। कोलार थाना इलाके में रात को खाना खाने के बाद वॉक कर रहे युवक के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हुए एक्टिवा सवार बदमाश का फिलहाल पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। मामले में पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए उनका सुराग जुटाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक 38 वर्षीय अंकित श्रीवास्तव प्रायवेट नौकरी करता है। बीती रात करीब दस बजे वह खाना खाने के बाद पैदल टहल रहा था। उसी दौरान सीआई चौराहे के पास एक्टिवा सवार दो युवक उनके नजदीक पहुंचे और गले से सोने की चेन छीन ली। अचानक हुई घटना से अंकित संभल पाते, इससे पहले ही दोनों आरोपी चेन लूटकर चंपत हो गए।

परीक्षाओं में कामयाबी ने मिलने से छात्र फांसी पर झूला

भोपाल। चूनाभट्टी थाना इलाके में रहने वाले एक युवक द्वारा रात के समय अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी किये जाने की घटना प्रकाश में आई है। शुरुआती जांच में सामने आया है की मृतक दो साल से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं होने से काफी दुखी थास। पुलिस का कहना है की मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है, जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण साफ हो सकेगा। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से छिंदवाड़ा का रहने वाला 30 वर्षीय धर्मेन्द्र शाह यहां किराए के मकान में रहते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के साथ ही बीते दो साल से परीक्षएं दे रहा था। लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली थी। सोमवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके साथी उसे इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचें, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को फिलहाल कोई सुराख ड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी का कारण साफ हो सके। हालांकि साथियों से पूछताछ में परीक्षाओ में सफलता न मिलने की बात सामने आई है। जांच टीम का कहना है, कि परिजन को डिटेल बयान दर्ज होने के बाद ही सही कारण साफ हो सकेगा।

आरोप

पांच महीने से स्टाइपेंड, तीन महीने से वेतन नहीं

जेपी अस्पताल के तीन डॉक्टर भूख हड़ताल पर

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल के जेपी अस्पताल में पांच महीने से स्टाइपेंड और तीन महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाकर तीन डॉक्टरों ने 21 अक्टूबर से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की। डॉक्टरों ने इयूटी आवंटन में भेदभाव, वरिष्ठता की अनदेखी और मानसिक प्रताड़ना का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से शिकायत की है। वहीं, अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय जैन का कहना है कि डॉक्टर बिना सूचना छुट्टी पर गए थे, इसलिए उनका वेतन रोका गया। राजधानी के जयप्रकाश जिला चिकित्सालय (जेपी अस्पताल) में वेतन और स्टाइपेंड के भुगतान को लेकर विवाद गहरा गया है। पांच महीने से

स्टाइपेंड और तीन महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए तीन डॉक्टरों ने बुधवार, 21 अक्टूबर से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टरों ने वेतन भुगतान में देरी के साथ इयूटी आवंटन में भेदभाव, वरिष्ठता की अनदेखी और

मानसिक प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया है। मामले में डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है। डॉक्टरों का कहना है कि लंबे समय से भुगतान अटका होने के कारण उन्हें आर्थिक

अधीक्षक का जवाब- बिना सूचना छुट्टी पर गए थे डॉक्टर

दूसरी ओर, अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय जैन ने डॉक्टरों के आरोपों पर अलग पक्ष रखा है। उनका कहना है कि संबंधित डॉक्टर बिना पूर्व सूचना के छुट्टी पर चले गए थे, जिसके चलते उनका वेतन रोका गया। अधीक्षक के मुताबिक, बाकी दिनों का वेतन दिया जा चुका है। डॉ. जैन ने डॉक्टरों की भूख हड़ताल की शासकीय नियमों के विरुद्ध बताते हुए कहा कि उन्हें आंदोलन करने के बजाय अपनी समस्या वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रखनी चाहिए थी। इस तरह वेतन रोकने को लेकर डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के बीच मतभेद सामने आ गए हैं।

काटनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि अस्पताल में चिकित्सकों को काम देने और इयूटी तय करने में भी निष्पक्षता नहीं बरती जा रही। मांगों का समाधान नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन शुरू करने की चेतावनी पहले ही दे दी थी। अब भूख हड़ताल के जरिए उन्होंने बकाया भुगतान और कार्य व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई है।

डॉक्टरों ने अपने पत्र में पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें पिछले तीन महीने का लंबित वेतन तत्काल जारी करना, आपातकालीन और रात्रिकालीन इयूटी का निष्पक्ष एवं पारदर्शी विवरण तथा वरिष्ठता और समान कार्यभार का प्थान रखना शामिल है।



अब भुगतान और जांच पर टिकी नजर

एक ओर डॉक्टर लंबित भुगतान, इयूटी में समानता और शिकायतों के निपटारे की मांग कर रहे हैं, वहीं अस्पताल प्रबंधन वेतन रोकने के पीछे बिना सूचना अनुपस्थित रहने का कारण बता रहा है। ऐसे में विवाद के समाधान के लिए डॉक्टरों की अनुपस्थिति, वेतन रोकने के आधार और लंबित भुगतान की स्थिति स्पष्ट होना अहम होगा। डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल उनकी मांगों पर प्रशासन की ओर से समाधान की क्या पहल होती है, इस पर नजर रहेगी।

भोपाल राकेश अग्रवाल हत्याकांड: एसआईटी जांच की मांग

विस्तृत जांच कराने की मांग रखी। एसोसिएशन चाहता है कि हत्या के पीछे लुट के अलावा कॉन्टैक्ट किलिंग और बड़े आर्थिक लेन-देन की आशंका की भी जांच की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की हत्या जैसे गंभीर मामले में जांच किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की निगरानी में कराई जाए। इसके साथ ही अकेले रहने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई गई। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और एसआईटी के गठन पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री पहले ही पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मामले की निगरानी करने के निर्देश दे चुके हैं।

सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया

आईएएस एसोसिएशन ने कहा कि राकेश अग्रवाल जैसे विनम्र और कर्मठ अधिकारी को इस तरह हत्या होना पूरे प्रशासनिक महकमे के लिए गंभीर चिंता का विषय है। एसोसिएशन



का मानना है कि मामले का जल्द खुलासा होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि सेवानिवृत्त अधिकारियों, विशेषकर अकेले रहने वालों की सुरक्षा की समीक्षा कर जरूरी कदम उठाए जाएं।

पत्नी ने दूसरे नौकर से खुलवाया दरवाजा

राकेश अग्रवाल की पत्नी निशी अग्रवाल के मुताबिक, सुबह करीब 5:30 बजे जब उनकी नींद खुली तो उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। इसके बाद दूसरे नौकर अमर थापा को बुलाकर दरवाजा खुलवाया गया। कमरे से बाहर आने पर हत्या का पता चला।

हत्या के दो दिन पहले

रखा था केयरटेकर

राकेश अग्रवाल का शव 30 सितंबर की सुबह भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सुरजनगर के बंगले में मिला था। धारदार हथियार से गला रेतकर उनकी हत्या की गई थी। वारदात के बाद घर की अलमारियों के ताले टूटे मिले। घर से जेवरता, नकदी और उनका मोबाइल फोन भी गायब था। पुलिस की जांच में सामने आया कि हत्या से महज दो दिन पहले, 27 सितंबर को पंजाब के नाभा निवासी वरुण कुमार को केयरटेकर के रूप में काम पर रखा गया था। वारदात के बाद से वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मामले में लुट के साथ कॉन्टैक्ट किलिंग की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

दुर्घटना के घायलों और ग्वालियर से एयरलिफ्ट किए मरीजों से की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली



वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोटा में भोपाल से खादूस्थायम जी जा रही मिनी बस की दुर्घटना तथा ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में घायल, उपचाररत मरीजों से एम्स भोपाल पहुंचकर भेंट की तथा उनकी कुशल क्षेम पूछी। उन्होंने एक्स भोपाल के डॉक्टरों से घायलों की स्वास्थ्य स्थिति, चल रहे इलाज और दवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घायलों के परिजनों से भी बातचीत की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की

कामना की। उन्होंने एम्स प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की कमी न रखी जाए और हर्ससंभव उपचार उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है। इस अवसर पर अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कोटा दुर्घटना में घायल हुए बैतूल के 14 मरीजों को उपचार के लिए एम्स भोपाल में भर्ती कराया गया तथा ग्वालियर से भी दो मरीजों को एम्स भोपाल में एयर लिफ्ट किया गया।

पैंट्री वेंडर्स की गुंडागर्दी, यात्री को ट्रेन से उतारकर पीटा



ने बताया कि अज्ञात वेंडर्स पर केस दर्ज कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

विवाद के बाद चेन पुलिंग, स्टेशन पर हुआ हंगामा

ट्रेन नंबर 12214 दिल्ली सराय रोहिल्ला-यशवंतपुर एसी दुरंतो एक्सप्रेस में पैंट्री वेंडर्स और यात्रियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। देखते ही देखते मामला बढ़ गया। आरोप है कि चेन पुलिंग के बाद ट्रेन के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचने पर पैंट्री के कुछ कर्मचारियों ने यात्रियों को नीचे उतारा

और उनके साथ मारपीट की। हालांकि, विवाद की असल वजह क्या थी और इस घटनाक्रम में कितने यात्री शामिल थे, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सामने आए घटनाक्रम के संबंध में भी आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। घटना को लेकर यह दावा भी किया जा रहा है कि हंगामे के दौरान मौके पर केवल एक महिला पुलिसकर्मी नजर आ रही थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि यात्रियों और पैंट्री कर्मचारियों के बीच विवाद बढ़ने के दौरान पर्याप्त सुरक्षा बल मौजूद था या नहीं।

सायबर ठग के जाल में फंसे दंपत्ति, हजारों की लगा दी चपत

वेब वार्ता, भोपाल

घर में लगा सेटअप बॉक्स खराब होने पर उसकी रिपेयरिंग कराने के लिए दंपति को टेक्नीशियन का नंबर गूगल पर सर्च करना महंगा पड़ गया। गूगल पर सर्विस सेंटर का नंबर तलाश करने के दौरान वह साइबर ठग के जाल में फंस गये और शांतिर ने फोन पर बताए गए प्रोसीजर के जरिए उनके साथ 60 हजार की धोखाधड़ी कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक खुशीपुरा चांदबड़ स्थित हरि सिद्धि कैपस में रहने वाले सुमेश चंद ने अपनी शिकायत में बताया की उनकी पत्नी ज्ञानवती का केनरा बैंक में खाता है, जो उनके पति के मोबाइल नंबर से लिंक है।

सेटअप बॉक्स ठीक कराने गूगल पर टेक्नीशियन का नंबर सर्च करना पड़ा महंगा

17 अक्टूबर को उन्हें टाटा प्ले का सेटअप बॉक्स ठीक कराने के लिए टेक्नीशियन बुलाना था। इसके लिए उन्होंने गूगल पर सर्विस सेंटर का नंबर तलाशकर कॉल किया। दूसरी ओर से फोन रिसीव करने वाले दूरज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक खुशीपुरा चांदबड़ स्थित हरि सिद्धि कैपस में रहने वाले सुमेश चंद ने अपनी शिकायत में बताया की उनकी पत्नी ज्ञानवती का केनरा बैंक में खाता है, जो उनके पति के मोबाइल नंबर से लिंक है।